दैनिक पंचांग

सूर्योदयः 06:02 ए एम
सूर्यास्तः 06:35 पी एम
तिथिः त्रयोदशी - 09:02 पी एम तक
नक्षत्रः श्रवण - 01:46 पी एम तक
योगः अतिगण्ड - 09:41 पी एम तक
करणः कौलव - 10:33 ए एम तक
द्वितीय करणः तैतिल - 09:02 पी एम तक
पक्षः शुक्ल पक्ष
वारः गुरुवार

हिन्दी दैनिक

झारखण्ड देखो

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

Digital Edition

www.jharkhanddekho.com • वर्ष 02 • अंक 146 • पृष्ठ 8 • दुमका, गुरुवार 8 सितंबर 2022 • मूल्य 2 रुपये Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा शुरू

राहुल गांधी 150 दिनों तक कंटेनर में गुजारेंगे रात

दिल्ली/एजेंसी।

भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कांग्रेस सांसद और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी 117 पद यात्री के साथ रात गुजारेंगे। राहुल गांधी तमिलनाडु से इस यात्रा का आगाज करेंगे। राहुल गांधी और उनके साथ चल रहे यात्री किसी फाइव स्टार होटल में नहीं रुकेंगे बल्की राहुल गांधी 150 दिनों तक कंटेनर में 117 पद यात्री के साथ रात गुजारेंगे, जिसके लिए खास व्यवस्था की गई है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आज तमिलनाडु के कन्याकुमारी में श्रीपेरुंबदूर इलाके से भारत जोड़ो यात्रा की शुरुआत की। यह स्थान पार्टी के लिए इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसी स्थान पर देश के पूर्व पीएम और राहुल गांधी के पिता राजीव गांधी की हत्या हुई थी। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने इस यात्रा को दूसरा स्वतंत्रता संग्राम करार दिया है। पार्टी चीफ सोनिया गांधी ने भी इस यात्रा को ऐतिहासिक बताया और उम्मीद जताई कि 3,500 किलोमीटर की पैदल यात्रा पार्टी को फिर से जीवंत करने में मदद करेगी। कांग्रेस की यह यात्रा करीब 150 दिन तक चलेगी और 12 राज्यों का भ्रमण करते हुए कश्मीर पर समाप्त होगी। इस दौरान राहुल गांधी समेत कांग्रेसी नेता पैदल ही इस यात्रा को पूरा करेंगे।

पिछले कुछ महीनों में, जी-23 के कई नेताओं ने कांग्रेस पार्टी में संगठनात्मक बदलाव की मांग की है और कांग्रेस पार्टी की बिगड़ती स्थिति और इसकी स्थितियों में सुधार करने पर अपनी राय व्यक्त की है। अगस्त 2020 में सोनिया गांधी को लिखे एक पत्र में, इस खेमे ने पार्टी चलाने के तरीके में महत्वपूर्ण बदलाव की मांग की थी। मांग का क्या हुआ? इसका अंदाजा इसी बात से लगता है कि तब से गुलाम नबी आजाद, कपिल सिब्बल समेत कई दिग्गज कांग्रेसी पार्टी से राहें जुदा कर चुके हैं। ऐसे में कांग्रेस पार्टी की यह भारत जोड़ो यात्रा क्या रंग लाती है यह देखने वाली बात होगी।

राहुल गांधी बुधवार सुबह तमिलनाडु के श्रीपेरुम्बुदूर शहर पहुंचे और कांचीपुरम में वह अपने पिता राजीव गांधी के शहीद स्मारक पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। यहीं एक चुनावी रैली के दौरान मंच पर आत्मघाती विस्फोट कर राजीव की हत्या कर दी गई थी। भारत जोड़ो यात्रा के लिए 117 नेताओं के नामों की सूची तैयार की गई है जिसमें कांग्रेस के युवा नेता कन्हैया कुमार, पवन खेड़ा और पूर्व पंजाब के मंत्री विजय इंदर सिंगला, युवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष केशव चंद्र यादव और उत्तराखंड कांग्रेस के संचार विभाग के सचिव वैभव वालिया के अलावा कई महिला कार्यकर्ताओं के नाम भी शामिल हैं, जो राहुल गांधी के साथ पूरी यात्रा को पैदल पूरा करेंगे।

देवघर एयरपोर्ट मामला:

सांसद निशिकांत दुबे सहित नौ के खिलाफ सीआईडी करेगी जांच

रांची/एजेंसी। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे, मनोज तिवारी समेत नौ लोगों पर दर्ज केस की जांच सीआईडी करेगी। सीआईडी ने देवघर एयरपोर्ट के एटीसी में जबरन प्रवेश करने के मामले में देवघर के कुंदा थाना में दर्ज केस को टेकओवर कर लिया है। इस मामले में सीआईडी चार्टर प्लेन के पायलट, गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे, उनके बे-टों कनिष्क कांत दुबे, माहिकांत दुबे, सांसद मनोज तिवारी, मुकेश पाठक, देवता पांडेय, पिंटू तिवारी व एयरपोर्ट डायरेक्टर संदीप ढिंगरा पर दर्ज केस की जांच करेगी। दुमका सीआईडी टीम के प्रभारी को केस का अनुसंधानक बनाया गया है। सांसद निशिकांत दुबे, मनोज तिवारी, दिल्ली के भाजपा नेता कपिल मिश्रा समेत अन्य लोग चार्टर प्लेन से देवघर आए थे।

देशभर में 100 ठिकानों पर इनकम टैक्स की रेड

नयी दिल्ली/एजेंसी।

इनकम टैक्स विभाग ने बुधवार को देशभर में एकसाथ 100 ठिकानों पर छापा मारा। ये कार्रवाई मिड-डे मील में कमाई, पॉलिटिकल फंडिंग में टैक्स चोरी और शराब घोटालों के सिलसिले में की गई है। दिल्ली, राजस्थान, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड समेत 7 राज्यों में कळ के छापे जारी हैं। ये छापे शराब घोटाले, मिड-डे मील, पॉलिटिकल फंडिंग और टैक्स चोरी से जुड़े हैं। राजस्थान के राज्यमंत्री राजेंद्र यादव और उनके रिश्तेदारों के 53 से ज्यादा जगहों पर इनकम टैक्स की की रेड पड़ी है। बुधवार सुबह करीब साढ़े 5 बजे से छापा चल रहा है।

सीबीआई रेड के बाद अब ईडी के रडार पर मलय घटक

कोलकाता/एजेंसी।

कोयला तस्करी मामले में कानून मंत्री मलय घटक अब दोनों केन्द्रीय एजेंसियों सीबीआई और ईडी के स्कैनर पर है। मंगलवार को सीबीआई की टीम एक ओर उनके आसनसोल स्थित आवास कार्यालय पर छापामारी चलायी तो दूसरी ओर उन्हें दिल्ली, ईडी कार्यालय में 14 सितंबर को बुलाया गया है। इस बारे में मंगलवार की शाम संवाददाता सम्मेलन कर मंत्री ने कहा कि मैं सहयोग कर रहा हूं लेकिन मेरी छवि खराब करने की कोशिश की जा रही है। अब तक सीबीआई की टीम ने मुझे कोई नोटिस नहीं भेजी और सीधे तौर पर तलाशी अभियान चलाया।

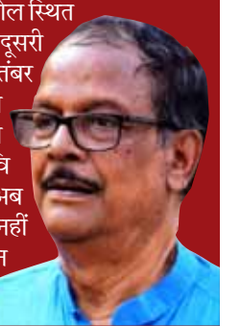

संक्षिप्त समाचार

आतंकी जत्थे कश्मीर भेजने की तैयारी में आईएसआई

नई दिल्ली/एजेंसी। बर्फबारी का मौसम शुरू होने से पहले पाकिस्तान से बड़ी तादाद में आतंकी घुसपैठ की फिराक में हैं। सुरक्षा एजेंसियों को जानकारी मिली है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने आतंकियों को भारत में धकेलने के लिए पाक अधिकृत कश्मीर में 9 लॉन्चिग पैड तैयार किए हैं। हर लॉन्चिग पैड से 150 से ज्यादा आतंकियों को घुसपैठ कराने की कोशिश की जाएगी।

बिजनेस

बीएसई सेंसेक्स

59,028.91–168.08 (0.28%)

निफ्टी

17,624.40–31.20 (0.18%)

देश को शिक्षा पर ध्यान देना चाहिए था : केजरीवाल

नई दिल्ली/एजेंसी।

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को अपनी पार्टी के 'मेक इंडिया नंबर 1' अभियान की शुरुआत की और इस दौरान दावा किया कि आजादी मिलने पर देश ने शिक्षा को महत्व न देने की गलती की। केजरीवाल ने अपने गृह जिले हिसार से इस अभियान की शुरुआत करते हुए हरियाणा में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राज्य की पिछली कांग्रेस सरकार पर सरकारी स्कूलों को बंद करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने इसे देश के लिए 'बेहद खतरनाक' प्रवृत्ति करार दिया। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने आजादी के बाद की गई ''गलती'' की ओर इशारा करते हुए संवाददाताओं से कहा, ''देश को शिक्षा पर ध्यान देना चाहिए था। हमें 1947 में युद्ध स्तर पर हर नुक्कड़, हर गांव और मुहल्ले में अच्छे सरकारी स्कूलों के निर्माण पर ध्यान देना चाहिए था।'' हरियाणा के बाद, केजरीवाल ने पार्टी के इस नए अभियान के तहत देश के अन्य राज्यों का दौरा करने की भी योजना बनाई है। वह हरियाणा के दो दिवसीय दौरे पर हैं।

मोदी कैबिनेट ने दी मंजूरी

पीएम श्री योजना के तहत हर ब्लॉक में दो स्कूलों को किया जाएगा अपग्रेड

नई दिल्ली/एजेंसी।

कैबिनेट ने शिक्षा मंत्रालय की 'पीएम श्री' योजना के तहत एक नए प्रोजेक्ट में स्कूलों को अपग्रेड करने को मंजूरी दे दी है। इस योजना के तहत 14,500 स्कूलों का विकास और कायाकल्प किया जाएगा। इसे लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बताया कि इसके तहत केंद्रीय विद्यालयों और नवोदय विद्यालयों सहित 14,000 से ज्यादा स्कूलों को पीएम-श्री स्कूलों के रूप में उभरने के लिए मजबूत किया जाएगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि 27,360 करोड़ की लागत से 2022 से 2027 तक 146,00 स्कूलों की गुणवत्ता को बढ़ाया जाएगा। इसके तहत हर ब्लॉक में दो स्कूलों को अपग्रेड किया जाएगा। स्कूलों का चयन राज्य सरकारों से बातचीत करने के बाद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्कूल की गुणवत्ता को देखकर ही किसी भी स्कूल का चयन होगा। इस योजना का मूल उद्देश्य है कि स्कूलों में गुणात्मक वृद्धि हो। साथ ही बच्चे 12वीं पास करते-करते दुनिया के अंदर कॉम्पोटेटिव तरीके से तैयार हो जाएं यही इसका मकसद है।

दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शिक्षक दिवस के दिन इसे लेकर घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया योजना के तहत स्कूलों में शिक्षा प्रदान करने का एक मॉडर्न और ट्रांसफॉर्मेटिव तरीका होगा।

किशोरियों के शव पर घटिया राजनीति कर रही भाजपा : बसंत सोरेन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। उपराजधानी दुमका में 10 दिनों के अंदर दो किशोरियों की निर्ममता से हत्या की घटना के बाद पहली बार दुमका पहुंचे झामुमो विधायक नलिन सोरेन और बसंत सोरेन ने बुधवार को दोनों किशोरियों के स्वजनों से मिलकर हरसंभव मदद का भरोसा दिया। रानीश्वर में आदिवासी किशोरी के स्वजनों को नौ लाख रुपये के मुआवजा राशि का चेक सौंपा। दुमका लौटने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि झामुमो का परिवार हमेशा दुमका की जनता के साथ खड़ा है। कहा कि दोनों मामलों में सरकार व प्रशासन अपना काम तेजी से कर रही है। सरकार की ओर से दोनों के स्वजनों को 10-10 लाख रुपये बतौर मुआवजा उपलब्ध कराया गया है। घटनाओं की जांच तेजी से हो रही है। दोषियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई होगी। एक सवाल पर कहा कि एसडीपीओ नूर मुस्तफा मेरा कोई रिश्तेदार नहीं है। आरोप लगे हैं तो सरकार इसकी जांच करा रही है। दोषी होने पर कार्रवाई भी होगी। इसी क्रम में बसंत ने कहा कि दोनों किशोरियों के शव पर भाजपा घटिया राजनीति कर रही है। भाजपा के लोग ऐसे बहानों को ढूंढती है और इसका राजनीतिकरण करती है। दुमका आकर किशोरी के स्वजनों से मिलने वाले भाजपाई निचले दर्जे के नेता हैं जो चौपर से आए और राजनीति करके चले गए। कहा कि आज किशोरी का दशकर्म है, अगर संवेदना होती तो यहां 10 दिनों तक ही खड़ा होकर दिखाते।बसंत सोरेन ने एक सवाल पर कहा कि अगर संताल परगना का डेमोग्राफी बदल रहा है और इस इलाके में कोई बंगलादेशी है तो कागजात दिखाए सरकार से उसकी जांच कराएंगे। उन्होंने कहा कि सिर्फ आरोप लगा देने से कैसे पता चलेगा कि वह बांग्लादेशी है या नहीं। इसके लिए प्रमाण देना होगा। पंकज मिश्रा पर 3000 पन्ने का ईडी द्वारा आरोप पत्र दाखिल किए जाने के बारे में पूछे जाने पर बसंत ने चुटीले अंदाज में कहा कि कभी-कभी पोथी मोटी और चीजें छोटी हो जाती है।विधानसभा की सदस्यता को लेकर बरकरार सस्पेंस के सवाल पर बसंत ने कहा कि फैसले का सबको बेसब्री इन्तजार है। हम भी इन्तजार कर रहे हैं। कभी-कभी तो ऐसा लगता है कि आधा खाना खाते-खाते हाथ रुक गया है। कहा कि सरकार स्थिर है, रांची में शांति हैं। एक सवाल के जवाब में बसंत कहा कि उन्हें जो जिम्मेवारी मिली वही काफी है। कोई भी नई जिम्मेवारी तय होने की सूरत में वह हाथ जोड़ लेंगे क्योंकि वह वर्तमान भूमिका में रहकर ज्यादा खुश हैं। लोबिन हेंब्रम की नाराजगी के सवाल पर कहा कि यह बिल्कुल गलत है। वह पार्टी के मजबूत आधार हैं और आगे भी बने रहेंगे। नीतिश कुमार की पहल के सवाल पर कहा कि झारखंड में उनका स्वागत है। इस मसले पर जो भी निर्णय होना होगा वह पार्टी बड़े नेता करेंगे। रायपुर और दिल्ली यात्रा के सवाल पर हंसते हुए कहा कि रायपुर रिफ्रेश होने और दिल्ली अंडर गारमेंट खरीदने गए थे।

संक्षिप्त समाचार

एक सप्ताह में अनाज उपलब्ध हो जायेगा

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। उपायुक्त के निदेशानुसार प्रखण्ड सभागार, दुमका में सदर प्रखण्ड अन्तर्गत कार्यरत सभी जन वितरण प्रणाली दुकानदारों के साथ प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, दुमका सदर द्वारा बैठक किया गया । उपस्थित सभी जनवितरण प्रणाली दुकानदारों को पेट्रोल सबसीडी, सोना-सोबरन धोती-साड़ी योजना, सभी लाभुकों का आधार सीडिंग, योग्य लाभुकों का ग्रीन कार्ड, सुशुप्त राशन कार्ड आदि के बारे में जानकारी के साथ-साथ मार्गदर्शन भी दिया गया। विशेषकर समय से लाभुकों के बीच अनाज वितरण सही तरीके से करने का भी निदेश दिया गया। जनवितरण प्रणाली दुकानदारों द्वारा बताया गया कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत मुफ्त का अनाज अभी तक अगस्त महीने का नहीं मिला है, जिसपर उपस्थित गोदाम प्रभारी द्वारा बताया गया कि अगले एक सप्ताह में अनाज उपलब्ध हो जायेगा । आज की बैठक में गोदाम प्रभारी, सभी जनवितरण प्रणाली दुकानदार तथा आपूर्ति से संबंधित प्रखण्ड कर्मी उपस्थित थे।

उमेश ने रक्तदान कर महिला को किया मदद

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद दुमका नगर इकाई के द्वारा प्रदेश जनजाति प्रमुख मनोज के द्वारा महिला मरीज पनसुरी मरांडी जिनका उम्र 28 साल है। उनको एक यूनिट बी पॉजिटिव ब्लड की आवशयकता थी। मनोज को इसकी जानकारी मिलते ही तुरंत नगर के कार्यकर्ता उमेश कुमार नाग जिसका घर नागड़ी को संपर्क किया ।उमेश ने तुरंत ही ब्लड बैंक में आकर रक्तदान किया तथा महिला मरीज पनसुरी मरांडी की जान बचाई। उमेश का या पहला रक्तदान अनुभव रहा उन्होंने बताया की रक्तदान कर अपने आप को बहुत ही गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। और मैं सभी युवाओं से यह कहना चाहता हूं कि हम ही हैं जो समाज की रीढ़ की हड्डी हैं इसलिए हम सभी युवाओं को समाज सेवा क्षेत्र में अग्रसर होने की आवशयकता है। तथा इस तरह के समस्याएं को उभारने की जरूरत है। मौके पर प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य लखीराम मंडल ,नगर संगठन मंत्री, धनंजय कुमार आदि उपस्थित थे।

बसंत सोरेन ने कुचियाडाली पंहुचकर पीड़ित परिवार को सौंपा 9 लाख का चेक

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। शादी का झांसा देकर यौन शोषण कर गर्ववती किशोरी की हत्या कर शव को पेड़ पर लटकाकर आत्महत्या का रूप देने के जघन्य अपराध मामले के पीड़ित परिजनों से मिलने आज बुधवार को दुमका विधान सभा के विधायक बसंत सोरेन,शिकारीपाड़ा विधान सभा के विधायक नलिन सोरेन,जिप अध्यक्ष जोयस लूप्सी बेसरा, झामुमो केंद्रीय समिति के महामंत्री सह वरीय अधिबक्ता बिजय सिंह उसके घर पंहुचे।मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रीतिलता मुर्मू ,अंचल अधिकारी अतुल रंजन भगत,पुलिस निरीक्षक बकार हुसैन एवं थाना प्रभारी संजय कुमार मौजूद थेमौके पर बसंत सोरेन ने पीड़ित परिवार को सांत्वना देते हुए पीड़ित परिवार को 9 लाख का चेक प्रदान किया।वही स्थानीय विधायक नलीन सोरेन एवं जिप अध्यक्ष जोयेस लुप्सी बेसरा ने मृतक किशोरी की बहनों को पुस्तक एवं बस्त्र उपलब्ध कराया।अवसर पर झामुमो नेताओं ने पीड़ित परिवार को सुरक्षा प्रदान करने के साथ अन्य सरकारी लाभ दिलाने का आश्वासन दिया हैं ।मौके पर अब्दुस सलाम,भैरव दत्त, अमल मंडल ,नौशाद सेख ,तौफिक अली, लालू सेख ,चंडी चक्रबर्ती ,रफीक खान मौजूद थे।

यौन उत्पीड़न मामले में महीनों से फरार आरोपी हुआ गिरफ्तार

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। पुलिस अधीक्षक अंबर लकड़ा के निर्देशानुसार गोपीकांदर थाना क्षेत्र की एक 18 वर्षीय युवती के साथ यौन उत्पीड़न मामले में महीनों से फरार चल रहे गोपीकांदर थाना क्षेत्र के ही बांसपहाड़ी निवासी कॉर्नेल सोरेन, पिता बुजु सोरेन को थाना प्रभारी नित्यानंद भोक्ता के नेतृत्व में गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।मामले में अवर पुलिस निरीक्षक अंजनी कुमार ने बताया कि महीनों पहले पारिवारिक कारणों से पीड़िता अभियुक्त कॉर्नेल सोरेन के घर पर शादी की बात कह कर रह रही थी।इसी दौरान कई बार अभियुक्त ने पीड़िता के साथ संबंध बनाया।शादी की बात कहने पर लड़का नकार रहा था ।इसी दौरान अभियुक्त की मां के खाने में पीड़िता द्वारा जहर देने का मामला सामने आया था और अभियुक्त पीड़िता को उसके घर छोड़ कर आ गया और कभी अपने घर पर वापस नहीं लेकर आया। बाद में पीड़िता ने इस मामले को सीधा जिला न्यायालय जाकर अभियुक्त पर कांड संख्या 24/22 धारा 376 के तहत बार-बार यौन उत्पीड़न एवं जबरदस्ती गर्भधारण का आरोप लगाकर मुकदमा दर्ज किया था।वही दावा परिवाद पत्र के माध्यम से गोपीकांदर थाना में उनकी गिरफ्तारी का वारंट के आधार पर अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया गया। साथ ही गिरफ्तार किए गए आरोपी को पुलिस टीम के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोपीकांदर में उसकी स्वास्थ्य जांच करवाकर सुरक्षा के साथ दुमका केंद्रीय कारा भेज दिया गया।

एस पी कॉलेज में चलाया गया नेत्रदान जागरूकता अभियान

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका । 37 वें राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े के तहत 25 अगस्त से 8 सितंबर तक नेत्रदान महादान अभियान चलाया जा रहा है।अभियान के तहत संथाल परगना महाविद्यालय के छात्र छात्राएं एवं सामाजिक कार्यकर्ता स्वयं आगे आकर नेत्रदान कर रहे हैं एवं दुमका की जनता से नेत्रदान करने की अपील कर रहे हैं। दुमका के संथाल परगना महाविद्यालय दुमका में नेत्रदान जागरूकता अभियान चलाया गया।मौके पर डॉ कलानंद ठाकुर ने कहा कि नेत्रदान का संकल्प लें ताकि किसी का अंधेरा जीवन उजाले से भर जाए। सामाजिक कार्यकर्ता जतिन कुमार ने कहा कि आज जिला स्वास्थ समिति दुमका में उन्होंने नेत्रदान का आवेदन जमा कर दिया है।इस अवसर पर नेत्र चिकित्सक दुमका दिवाकर वत्स ने कहा कि अपने नजदीकी समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र,जिला अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेज बैंक से संपर्क कर आप भी नेत्रदान कर सकते हैं।इस अवसर पर डॉ कलाम ठाकुर, डॉ रंजीत कुमार दुबे, जतिन कुमार ,डॉ किलिस मरांडी, प्रोफेसर पूजा गुप्ता, डॉ त्रिज़ जनिफर टोप्पो, प्रोफेसर निर्मल मुर्मू, प्रो योगेंदर मरांडी , सुमित भंडारी ,राखी कुमारी, पिंकी कुमारी, प्रीति कुमारी ,सुमनलता आदि मौजूद थे।

मेड इन यूएसए और स्पेन पिस्टल व एक देसी कट्टा के साथ दो गिरफ्तार

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। इंटरनेट मीडिया पर पिस्तौल के साथ तस्वीर वायरल होने पर पुलिस ने बाबूडीह गांव के 30 वर्षीय इरफान अंसारी और उसके साथी चरकापाथर गांव के 20 वर्षीय राजेश कुमार को गिरफ्तार कर बुधवार को जेल भेज दिया है। दोनों के पास से यूएसए और स्पेन मेड पिस्तौल के साथ एक कट्टा और गोली मिली है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज किया है। हालांकि, पुलिस ने पूरे घटनाक्रम को लूटपाट के इरादे से जोड़ कर देख रहा है।यंहा बता दे की दरअसल मंगलवार की शाम इंटरनेट मीडिया में एक तस्वीर वायरल हुई, जिसमें इरफान अंसारी को पिस्तौल लिए हुए दिख रहा है। उसने यह तस्वीर अपने स्टेटस पर लगा रखी थी। किसी ने उसकी इस तस्वीर को इंटरनेट मीडिया में वायरल कर दिया। साथ में एक आडियो भी वायरल हुआ, जिसमें इरफान कहता है कि जिस किसी ने उसकी फोटो वायरल की है, उसे गोली मार देगा। जैसे ही यह तस्वीर वायरल हुआ, पुलिस सतर्क हो गई। रात में ही झारखंड मोड़ से पहले इरफान अंसारी और उसकी निशानदेही पर राजेश कुमार की गिरफ्तारी किया गया।
थाना प्रभारी विनय कुमार ने बताया कि मंगलवार की शाम किसी अज्ञात व्यक्ति से सूचना मिली कि झारखंड मोड़ के समीप एक अपराधी पिस्टल लेकर घूम रहा है। इसकी सूचना पर वह एसआइ पुरूषोत्तम अग्निहोत्री और आनंद साहा मोड़ पर पहुंचे तो पुलिस की गाड़ी देखते ही इरफान भागने लगा। जिसे खदेड़कर पकड़ लिया गया। इस दौरान जब तलाशी ली गई तो उसकी कमर में पिस्तौल लटका हुआ मिला। पूछताछ में उसने अपना नाम इरफान बताया। उसकी निशानदेही पर दोस्त राजेश कुमार को उसके घर से गिरफ्तार किया। उसके पास से एक विदेशी पिस्टल और एक देशी कट्टा को बरामद किया गया है। बताया कि दोनों अपराधी पैसे के लोभ में पथरा मोहरा जाने के रास्ते में बाइक छीनने के लिए आए हुए थे। दोनों के खिलाफ लूटपाट का प्रयास और आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज किया गया है।

पीड़िता के शोक संतप्त परिजनों से मिले झामुमो विधायक बसंत सोरेन और नलिन सोरेन

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। पेट्रोल से जलाकर हत्या कर दी गई नाबालिग छात्रा के शोक संतप्त परिवार से मिलने दुमका से झामुमो विधायक बसंत सोरेन और शिकारीपाड़ा के विधायक नलिन सोरेन उनके आवास पर पहुंचे।शोक संवेदना प्रकट करते हुए विधायक ने कहा कि यह बहुत ही दुखद घटना है।इस दुख में हमलोग आपके साथ खड़े हैं।विधायक बसंत सोरेन ने कहा कि जिस दिन घटना हुई,मैं बाहर था।वहां से ही मैंने दुमका के डीसी और एसपी को फोन कर हर संभव सहायता करने को कहा था।उसी दिन कुछ घंटे बादमुझे सूचना दी गई के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।झामुमो विधायकों के साथ पार्टी के केंद्रीय महासचिव विजय कुमार सिंह और झामुमो नेता दिनेश मुर्मू सहित कई झामुमो नेता और कार्यकर्ता पहुंचे थे।

सुखाड़ की स्थिति की जांच के लिए सुखाड़ राहत टीम पहुंची शिकारीपाड़ा

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। इस वर्ष समय पर बारिश ना होने के कारण शिकारीपाड़ा प्रखंड क्षेत्र सुखाड़ की चपेट में है जिसको लेकर सरकार द्वारा महत्वकांक्षी फसल राहत योजना चलाई जा रही है जिसको लेकर आज सुखाड़ की स्थिति को जांच करने के लिए रांची से सुखाड़ राहत टीम आई थी। टीम ने शिकारीपाड़ा प्रखंड क्षेत्र के सभी पंचायतों का दौरा किया एवम जांच किया ।इस दौरान कृषि पदाधिकारी रोहित वर्मा, प्रखंड क्षेत्र के कई पंचायतों के पंचायत सचिव साथ ही कई कृषक मित्र मौजूद थे।

एम जी कॉलेज में नैक के पीयर टीम हेतु सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। मयूराक्षी ग्रामीण महाविद्यालय रानीश्वर में प्राचार्य डॉ अब्दुल रईस खान की अध्यक्षता में नैक के पीयर टीम हेतु सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।जिसमें महाविद्यालय के सभी छात्र छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।इस अवसर पर प्राचार्य डॉ खान ने सभी बच्चो को पढ़ाई के साथ कला के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन हेतु शुभकामनाएं देते हुए प्रोत्साहित किया इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई 3 की ओर से स्पेशल कैंप के प्रमाण पत्र वितरण का आयोजन इकाई 3 के कार्यक्रम पदाधिकारी द्वारा किया।जिसमें मुख्य अतिथि पत्रकार साधन सेन द्वारा एनएसएस इकाई 3 के छात्र छात्राओं के बीच स्पेशल कैंप प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। साथ ही प्राचार्य डॉ अब्दुल रईस खान,आई क्यू ए सी को- ऑर्डिनेटर प्रो उदय प्रसाद सिंह द्वारा भी प्रमाण पत्र का वितरण किया गया।कार्यक्रम का संचालन काजल भट्टाचार्य ने किया। अंत मे इकाई 3 की कार्यक्रम पदाधिकारी सह दुमका नोडल पदाधिकारी डॉ रूपम कुमारी ने प्रणाम पत्र बितरण कराकर खुशी व्यक्त की तथा धन्यवाद ज्ञापन किया।इस अवसर पर सभी शिक्षक शिक्षकेतर कर्मचारी डॉ हिमांशु कुमार सिंह, ममता झा, प्रशांत पातर, संतोष कुमार पत्रलेख, डॉ अवरना रॉय ,प्रो अशोक कुमार रॉय, प्रो हुमायु कबीर, जयमंगल रॉय,काजल मंडल, एन सी सी लेफ्टिनेंट डॉ रीना कुमारी तथा सभी एनएसएस वालंटियर्स, एन सी सी केडेट्स उपस्थित रहे,सफल सर्टिफिकेट प्रतिभागी राहुल पाण्डेय, स्वरुप मंडल, अनिमेष साहा, कारगिल चौबे, देवका हाज़रा, अदता रॉय आदि कुल 50 बच्चो को एनएसएस स्पेशल कैंप 2021 का सर्टिफिकेट दिया गया।

जिला टास्क फोर्स की वाहन जांच अभियान मे 6 कोयला लोड डंपर को जब्त कर थाना को सुपुर्द, कार्रवाई जारी

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । एसडीओ के नेतृत्व में अमड़ापाड़ा थाना क्षेत्र के बरमसिया मोड़ पर जिला टास्क फोर्स के द्वारा औचक वाहन जाँच अभियान चलाया गया। कोयला लोड वाहनों का जांच किया गया। जिला टास्क फोर्स में जिला खनन पदाधिकारी प्रमोद कुमार साव, पुलिस इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी गोपाल कृष्ण यादव, मोटर यान निरीक्षक मौजूद थे. एसडीओ हरिवंश पंडित ने बताया कि सूचना मिली थी कि बीजीआर के द्वारा ओवरलोड कोयला का परिवहन कर रही है. इसकी जांच करने के लिए जिला टास्क फोर्स की टीम के द्वारा आलूबेड़ा कोयला खदान से दुमका रेलवे साइडिंग तक कोयला परिवहन कर रही वाहनों का जांच की गई. जांच के दौरान छह कोयला लोड डंपर में विभिन्न प्रकार की वाहनों से संबंधित कागजात की कमी पाई गई और ओवरलोड पाए जाने पर जब्त कर जांच कर आगे की कार्रवाई के लिए थाने को सुपुर्द कर दिया गया है. एसडीओ ने बताया कि लगातार ओवरलोड की शिकायत मिल रही थी इसकी जांच को लेकर आज जांच किया गया. आगे भी जांच प्रशासन करते रहेगी ओवरलोड पाए जाने पर अवशय ही कार्रवाई की जाएगी. दुमका की ओर जाने वाली कोयला लोड वाहनों में त्रिपाल से ढका मिला है और पाकुड़ की ओर कॉल ट्रांसपोर्टिंग के द्वारा की जा रही है वाहनों में त्रिपाल ढाका नहीं मिला है इसकी भी जांच की जाएगी. उन्होंने कहा कि जिला अधिकारी को इसकी सूचना दी जाएगी और कॉल प्रबंधक कबीर की निर्देश भी दिया जाएगा कि कोयला परिवहन कर रहे वाहनों में तिरपाल लगाकर चलाएं नहीं तो कार्रवाई की जाएगी. उन्होंने कहा कि दुमका की ओर जाने वाली कॉल परिवहन को कि स रूट से परमिट दिया गया है इसकी जांच की जाएगी और आवशयक निर्देश कॉल प्रबंधक को दिया जाएगा. मिली जानकारी ने अनुसार मोटर यान नियम के तहत छह जब्त वाहनों में कमी पाई जाएगी, तो निश्चित ही वाहन मालिक और प्रबंधक पर कार्रवाई की जाएगी. कुछ वाहनों में चलाने वालों चालक पर ड्राइवर लाइसेंस नहीं पाया गया और सख्त निर्देश देते हुए कहा कि वाहनों की गति तेज ना हो अपनी गति सीमा पर वाहन चलाएं.

संक्षिप्त समाचार

लिंक फेल होने से पोस्ट ऑफिस का कार्य प्रभावित ग्राहक परेशान

बगहा /वाल्मीकिनगर। (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । वाल्मीकिनगर के बीएसएनएल नेटवर्क के लिंक फेल होने से होने वाली ऑफिशियल कार्य प्रभावित हो रही है । जिससे आमजनों को सरकारी व गैर सरकारी कार्य में बाधा आ रही है। बतादें की ऐसा अमूमन आए दिन लिंक के फेल होने की बात सामने आ रही है । वहीं वाल्मीकिनगर में उप डाक घर के लिंक काम नहीं करने से ग्राहकों के लेनदेन नहीं हो पा रहे हैं,जिससे ग्राहकों में रोष बढ़ता जा रहा है । स्थानीय ग्राहक आलोक कुमार सिंह ने बताया कि दो दिन पहले भी जब मैं पोस्ट ऑफिस आया तो मुझे बताया गया कि आपका कार्य नहीं होगा क्योंकि लिंक फेल है और जब मैं दो दिन बाद आया तो आज भी लिंक फेल बताया जा रहा है । ऐसे में जरूरी कार्य पोस्ट ऑफिस के भरोसे या लिंक के भरोसे कैसे रहा जा सकता है । बतादें की दूर दराज से पोस्ट ऑफिस आकर कार्य कराने वाले ग्राहकों से लिंक फेल की वजह से स्टाफों से कहासुनी तक हो जाती है। ऐसा लिंक फेल होने के कारण बार बार पोस्ट ऑफिस के चक्कर लगाने के कारण हो रहा है । बतातें चलें कि सरकारी दफ्तरों में अर्धसरकारी नेटवर्क बीएसएनएल के लिंक से ही संपादित किए जाते हैं । अब ऐसे में बीएसएनएल के लिंक बराबर फेल रहेंगे तो ग्राहकों को पोस्ट ऑफिस से मिलने वाली सेवा कैसे पूरी की जा सकेगी । ऐसे में रोषयुक्त ग्राहकों के कोपभाजन ऑफिशियल कर्मचारियों को होना पड़ रहा है।

रेन कट से गिरने के कगार पर झुके ग्यारह हज़ार वाल्ट के पोल को बचाने की कवायद में लगे बिजलीकर्मी

बगहा/वाल्मीकिनगर। (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । वाल्मीकिनगर त्रिहुत नहर के ऊपर खड़े 11 हज़ार वाल्ट बिजली का पोल रेन कट की वजह से गिरने के कगार पर पहुंच गया था । जिससे बहुत बड़ा हादसा हो सकता था लेकिन ग्रामीणों ने इसकी सूचना स्थानीय विजली विभाग इलेक्ट्रिक सिटी बोर्ड को दी।सूचना पाकर बिजलीकर्मियों की टीम घटना स्थल पर पहुंच कर पोल को दुरुस्त करने की कवायद में जुट गए है। बतादें की 3 आरडी से 6 आरडी जाने के बांध पर बने रास्ते के किनारे 11 हज़ार वाल्ट के बिजली सप्लाई का पोल लगा हुआ है ।लेकिन पिछले दो दिनों से रुक रुक कर हो रहे बारिश की वजह से रेन कट की जद में पोल आ गया है जिस कारण पोल तिरछा होकर गिरने के कगार पर पहुंच गया था लेकिन बिजलीकर्मियों ने समय रहते उसे दुरुस्त करने में जुट गए हैं।

मासूम हत्याकांड में एक अभियुक्त को भेजा गया जेल

बगहा/वाल्मीकिनगर । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । पिछले तीन दिनों से खबरों में मासूम बच्चे की गन्ने के खेत से मेले शव की घटना सुर्खियां बनी हुई है । बराबर इस घटना को अखबारों के द्वारा कवर किया जा रहा है ।
पुलिस प्रशासन भी लगातार घटना के उद्भेदन के लिए अनुसंधान कर रही है। इसी क्रम में कांड संख्या 88/22 दर्ज कर चंपापुर गोनौली पंचायत के शिवनाहा निवासी नंदू बांस फोड़ को हिरासत में लेकर पुलिस के द्वारा पूछताछ की गई। पूछताछ में जो बातें सामने निकलकर आई उसके आधार पर अभियुक्त नंदू बांस फोड़ पर आईपीसी की धारा 363/ 302/ 201 के तहत जेल भेज दिया गया है ।

कृषि,पशुपालन एवं सहकारिता विभाग में विभिन्न समकक्ष पदों पर समायोजन की मांग को ले अनिश्चितकालीन हड़ताल पर गये

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । झारखण्ड आत्मा कार्मिक संघ के संयुक्त आहवान पर बुधवार को आत्मा कार्यालय/जिला कृषि कार्यालय के प्रांगण में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग में विभिन्न समकक्ष पदों पर समायोजन हेतु मांग को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गये. मिली जानकारी ने अनुसार 05 सितंवर को कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग में विभिन्न समकक्ष पदों पर समायोजन हेतु कलम बंद 'हड़ताल शांतिपूर्ण तरीके से कार्य का बहिष्कार आत्मा कार्यालय/जिला कृषि कार्यालय के प्रांगण में धरना प्रदर्शन किया गया था. जिसमें आत्मा पाकुड़ के सभी एटीएम, बीटीएम, लेखापाल, लिपिक, कम्प्यूटर आपरेटर, अनुसेवक एवं एनएफएसएम उपस्थित थे. इसके पूर्व वर्ष 2018 में सरकार से रसमायोजनर के भांग कि गई थी, और सरकार के द्वारा आश्वासन भी दिया गया था, परन्तु अभी भी यह मांग पूरी नही हुई, इसलिए हम सभी झारखण्ड के आत्मा कभी चरण बंद तरीके से हड़ताल कर रहे है. लेकिन हम सभी का इस सरकार से उम्मीद है कि हमारी मांगों को पूरी की जायेगी। आत्मा कर्मियों ने मांग के लिए विभागीय मंत्री एवं उच्चाधिकारियों को मांग पत्र समर्पित किया, लेकिन मांग नहीं मानी गई. बाध्य होकर अनिश्चितकालीन धरना पर बैठ गए. धरनारत कर्मियों का कहना है कि कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग समेत जिला प्रशासन एवं प्रखंडों में हम लोग निष्ठापूर्वक कार्यों का निर्वहन करते आ रहे हैं. सरकार ने हमारी मांग नहीं मानी. मांग में विभाग के रिक्त पदों पर योग्यता अनुसार समायोजन शामिल है. धरना के कारण जिले में कृषि कार्य प्रभावित हो रहा है. धरना देने वालों में संजय कुमार चौधरी, रामेश्वर मुर्मू, सपन सोनल तिर्की, नीलम कुमारी श्रीवास्तव समेत अन्य शामिल हैं.

हॉट मिक्सिग प्लांट में तोड़फोड़ एवं लाखों की क्षति, दो नामजद सहित 15 से 20 अज्ञात लोगों पर मामला दर्ज

पाकुड़ । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। हिरणपुर थाना क्षेत्र के डांगापाड़ा पर स्थित हॉट मिक्सिग प्लांट में हुई तोड़फोड़ एवं लाखों की क्षति के मामले में दो नामजद और 15 से 20 अज्ञात पर मामला दर्ज। प्लांट के संरक्षक दिगंबर साहा के लिखित बयान पर हिरणपुर थाना में मामला दर्ज किया गया. दिगंबर साहा के लिखित बयान के अनुसार बुधवार को डांगापाड़ा निवासी मोहम्मद सज्जाद उर्फ जुगनू अंसारी एवं करणडांगा के डॉक्टर चौकीदार के पुत्र सहित 15 से 20 अज्ञात आदमी हॉट मिक्सिग प्लांट पर पहुंचे और तोड़फोड़ कर क्षतिग्रस्त किया। प्लांट के संरक्षक ने बताया कि चालक अली हुसैन ने सूचना दी कि लाठी-डंडे और हथियार से लैस होकर मोहम्मद सज्जाद अंसारी, डॉ चौकीदार के पुत्र सहित अन्य 15 से 20 लोगों ने मुंह में कपड़ा बांधकर प्लांट में घुसा सभी लोगों ने अस्थाई रूप से बनाए गए बनकर को तोड़ दिया गया सहित प्लांट में रहे अलकतरा लदा ट्रक डब्ल्यूबी 29 बी 1965 को तोड़कर छतिग्रस्त कर दिया गया, वहीं प्लांट के ऑपरेटर को लाठी से मारपीट कर नगद 20 हजार व मोबाइल छीन लिया गया.
मेरे साथ ही कार्यरत पंडा हेम्ब्रम, बड़का हेंब्रम लखीराम मुर्मू के साथ मारपीट किया गया इसके अलावा इन सबों ने एक ट्रक को आग लगाने का भी प्रयास किया गया पर प्लांट कर्मियों के सक्रियता ने सभी लोग सफल नहीं हो पाए इस तोड़फोड़ में लगभग कंपनी की 3 लाख की क्षति हुई है. प्लांट के संरक्षक ने बताया कि जुगनू दबंग प्रवृत्ति के व्यक्ति हैं वह हमेशा से ही लोगों को अवैध वसूलने के काम करते हैं. उन्होंने कर्मियों को जान से मारने की धमकी दी गई. थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने बताया कि हॉट प्लांट के संरक्षक दिगंबर साहा के लिखित ब्यान पर सज्जाद अंसारी, डॉक्टर चौकीदार का लड़का सहित अन्य 15 से 20 अज्ञात पर केस दर्ज किया गया है. थाना प्रभारी ने बताया कि इन सबों के पर 113/22 धारा 147 148 149 342 323 379 425 386 506 435 भादवी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है.

ग्रामीणों ने कोल प्रबंधन पर आरोप लगाते स्थानीय नहीं बाहरी लोगों को रोजगार व ट्रांसपोर्टिंग दे रही है

कोल कंपनी और ग्रामीणों के बीच हुई बैठक

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । जिले के अमड़ापाड़ा प्रखंड अंतर्गत पचुवाड़ा गांव में कोल कंपनी और ग्रामीणों के बीच बैठक हुई. बैठक में कोल कंपनी की ओर से ग्रामीणों की मदद के लिए एंबुलेंस की व्यवस्था, अस्पताल में बेहतर इलाज की व्यवस्था, स्कूल के लिए बस की व्यवस्था सहित अन्य शामिल हैं. बैठक में ग्रामीणों ने कोल प्रबंधन पर आरोप लगाते हुए कहा कि कोल कंपनी द्वारा स्थानीय युवाओं को दरकिनार कर बाहर के लोगों को रोजगार व ट्रांसपोर्टिंग मुहैया कराया जाता है. स्थानीय लोगों को सुविधाएं मुहैया नहीं कराई जा रही है. अस्पताल, स्कूल, बिजली सहित अन्य समस्याओं पर भी चर्चा की गई. ग्रामीणों की समस्या सुनने के बाद कोल कंपनी एंबुलेंस और ग्रामीणों के बीच यह तय हुआ कि व कॉल कोल कंपनी डब्ल्यूबीपीडीसीएल और एमडीओ बीजीआर द्वारा ग्रामीणों को जाएगा. अस्पताल में दवा के साथ-साथ एंबुलेंस की व्यवस्था दी जाएगी. स्कूल व कॉलेज में पढ़ने वाले बच्चों को चिह्नित कर छात्रवृत्ति पर विचार किया जाएगा.
बच्चों को अमड़ापाड़ा या फिर मंजीरा बाड़ी स्कूल जाने के लिए स्कूल बस उपलब्ध कराया जाएगा. खराब पड़े सभी चापाकल को ठीक कराया जाएगा. इसके अलावा कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत विस्थापित एवं प्रभावित सहित पचुवाड़ा के इच्छुक ग्रामीणों को विभिन्न तरह का प्रशिक्षण दिया जाएगा ताकि उन्हें रोजगार का अवसर प्राप्त हो सके. मौके पर डब्ल्यूबीपीडीसीएल के कल्याण पदाधिकारी, बीजीआर प्रबंधन की ओर से पीआरओ संजय बेसरा, जेम्स मुर्मू के अलावा उपप्रमुख शिवलाल देहरी, ग्रामीण रंजन मरांडी, राजू मुर्मू, प्रेम मिर्धा, ताला मुर्मू, वकील केवट, संतोष केवट, मनोज सहित अन्य मौजूद थे।

आजीविका महिला संकुल संघ का मासिक बैठक, कार्यों की विस्तृत व गहन समीक्षा

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । जेएसएलपीएस के अंतर्गत पाकुड सदर प्रखंड के हीरानंदनपुर पंचायत भवन में चांचकी आजीविका महिला संकुल संघ का मासिक बैठक बुधवार को निर्मला देवी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस दौरान ग्राम संगठन के प्रतिनिधियों द्वारा अपने अपने गांव के सखी मंडल और ग्राम संगठन के द्वारा किये गए सभी कार्यों की विस्तृत व गहन समीक्षा की गई। इस बैठक में बीपीएम मो फैज़ आलम के द्वारा छुटे हुए सदस्यो को सखी मंडल से जोड़ने, सखी मंडल का बचत खाता और बैंक ऋण का आवेदन तैयार करके बैंक में जमा करने, चास हाट योजना, हुनर योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना का क्लेम सेटलमेंट करवाने, मुद्रा ऋण, किसान पंजीकरण, बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत आम बागवानी, कुसुम योजना, दीदी बाड़ी योजना आदि बिंदुओं पे विस्तारपूर्वक अहम जानकारी दी गई। इसके उपरांत पोषण माह अभियान से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। जिसके तहत स्वास्थ्य, पोषण, पेयजल एवं स्वच्छता, किशोरी की समस्या, तिरंगा भोजन, प्रसवपूर्व जांच आदि पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही कालाजार, फलेरिया, एनीमिया, ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस के दिन मिलने वाली सभी सेवाएं , टीकाकरण, हाथ धोने की आदत,आंगनबाड़ी से मिलने वाली सुविधा, जीरो से पांच साल के बच्चे को आंगनबाड़ी केंद्र में जागरूक करके स्वास्थ्य जांच हेतु भेजने के लिए प्रेरित करना आदि बिंदुओं पर चर्चा की गई। इसके उपरांत सखी मंडल की दीदियों के द्वारा शपथ लेकर हाथ धुलाई कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। मौके पर बीसीसी अबू इमरान हाशमी, बीएपी सबीना यास्मीन, सामुदायिक समन्वयक सुमित वर्मन, यासीन आलम, पीआरपी बुलबुली माल सहित दर्जनों महिलाएं उपस्थित थी।

हिरणपुर प्रखंड की समस्याओं से संबंधित एक मांग पत्र डीसी को सौंपा

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । भारतीय जनता पार्टी मंडल इकाई हिरणपुर का एक प्रतिनिधिमंडल मंडल अध्यक्ष कैलाश प्रसाद प्रसाद सिंह के नेतृत्व में उपायुक्त वरूण रंजन से मिलकर हिरणपुर प्रखंड की समस्याओं से संबंधित एक मांग पत्र सौंपा। भाजपा मंडल इकाई हिरणपुर के प्रतिनिधि मंडल ने ग्यारह सूत्री मांगपत्र सौंपते हुए एक सप्ताह के अंदर उक्त मांगों को पूरा करने का आग्रह किया। एक सप्ताह के अंदर सार्थक कार्यवाही नहीं होने की स्थिति में प्रखंड कार्यालय के समक्ष शांतिपूर्ण ढंग से अनिश्चितकालीन धरना भाजपा हिरणपुर द्वारा आयोजित की जाएगी। भाजपा के वरिष्ठ नेता अनुग्राहित प्रसाद साह ने कहा कि प्रखंड विकास पदाधिकारी हिरणपुर उमेश कुमार स्वांसी के मनमाने रवैये एवं अपने कर्तव्य के प्रति लापरवाही के कारण प्रखंड कार्यालय में भारी अव्यवस्था व्याप्त है।वीडियो साहब दिन में कार्यालय के समय दिखाई नहीं देते हैं और सूरज ढलते ही अपने चेहेतों के साथ कार्यालय आते हैं और अंदर से ताला बंद कर दश बजे रात तक काम करते हैं।हिरणपुर के ग्रामीण वीडियो साहब के इंतजार करते-करते निराश होकर घर लौट जाते हैं। वीडियो साहब के कर्तव्यहीनता एवं कार्य के प्रति लापरवाही के कारण विकास कार्य लगभग ठप है।भ्रष्टाचार चरम पर है योजनाओं की राशि का बंदरबांट धड़ल्ले से हो रहा है।अनावृष्टि के कारण अकाल की स्थिति उत्पन्न हो गई है मनरेगा की योजनाएं बंद रहने के कारण लोगों को रोजगार नहीं मिल रहा है।रोजगार की खोज में लोग बाहर जा रहे हैं। राशि के अभाव में अनेक प्रधानमंत्री आवास अधूरे पड़े हैं। मजदूरों का भुगतान नहीं हो पा रहा है।
प्रखंड विकास पदाधिकारी हिरणपुर के मनमाने रवैये एवं कार्य के प्रति लापरवाही के कारण ग्रामीणों में भारी असंतोष व्याप्त है। बाध्य होकर हम भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता डीसी के समक्ष गु-हार लगा रहे हैं। एक सप्ताह के अंदर हमारी मांगों पर विचार करते हुए हिरणपुर प्रखंड की व्यवस्था में सुधार किया जाए एवं पूर्व की तरह प्रखंड दिवस प्रारंभ किया जाए अन्यथा बाद होकर हमें अनवरत आंदोलन के लिए अग्रसर होना पड़ेगा। प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप से भाजपा जिला अध्यक्ष बलराम दुबे प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य अनुग्राहित प्रसाद साह, भाजपा नेता दानियल किस्कू, अमृत पाण्डेय सहित कई प्रमुख कार्यकर्ता शामिल थे। उक्त अवसर पर उपायुक्त कक्ष में उप विकास आयुक्त मो शाहिद अख्तर एवं अपर समाहर्ता मंजू रानी स्वांसी एवं भाजपा कार्यकर्ता किस्टो सोरेन, जयंत मंडल, जामू मरांडी, सादेकल आलम, सुकुमार मंडल, अमीन सोरेन, महेश साह, मनोज साह, संजय कुमार मंडल, मनोज कुमार साह, धर्मेंद्र त्रिवेदी, नैका सोरेन, मृत्युंजय मंडल मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

ओडीएफ प्लस के तहत जामा प्रखंड के दो गांव का चयन

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। जामा प्रखंड के छैलापाथर गांव एवं सिकटिया गांव का चयन खुले में शौच मुक्त गांव के रूप में हुआ है। इसको लेकर बुधवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी सिद्धार्थ शंकर यादव एवं स्वच्छ भारत मिशन के प्रखंड समन्वयक विकास मिश्रा ने सिकटिया गांव का भ्रमण कर स्वच्छ भारत मिशन के तहत विभिन्न योजनाओं का जायजा लिया। इस विषय की जानकारी देते हुए प्रखंड समन्वयक विकास मिश्रा ने कहा कि दोनों गांव के सभी आंगनबाड़ी केन्द्र, सामुदायिक भवन एवं सभी विद्यालय में लगे चापानल में सोख्ता गढ्ढा का निर्माण कार्य किया जा रहा है। साथ ही आंगनबाड़ी एवं विद्यालय में ठोस एवं तरल कचरा अपशिष्ट प्रबंधन कार्य भी किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि गांव के सभी घरों को शौचालय का लाभ दिया जायेगा। पुराने शौचालय का मरम्मती कार्य कराया जायेगा। इस मौके पर सिकटिया पंचायत के मुखिया गोकुल सोरेन एंव जल सहिया मौजूद थी।

कोयला ढुलाई से हो रही समस्याओं को लेकर बैठक हुई

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। बुधवार को गोपीकांदर थाना क्षेत्र के रांगामिशन गांव में समाज सेवा समिति के बैनर तले ग्राम प्रधान मनोज मरांडी की अध्यक्षता में आवशयक बैठक रखी गई। जिसमें दुमका पाकुड़ मुख्य मार्ग पर वेस्ट बंगाल पॉवर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड के द्वारा की जा रही कोयला ढुलाई के दौरान आ रही जन समस्यायों पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक में चर्चा करते हुए विचार विमर्श किया गया कि अगर इस सड़क से कोयला लदा ट्रक का आवागमन होगा तो वायु प्रदुषण होना लाजिमी होगा। इससे आस पास गांव में वृहद रूप से धुल घरों में घुस जायेगा।बैठक में संगठन सचिव पॉलिना मुर्मू, जिला परिषद सदस्य निशा शबनम हांसदा, माइकल हेंब्रम, सहित प्रखंड के कई सैकड़ों महिलाएं, जनता उपस्थित थे।

दुमका शहर में जेल के पीछे पेड़ से लटका मिला 10 वीं के छात्र का शव,हत्या की आशंका

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। शहर के न्यू बांधपाड़ा मुहल्ले में 10 वीं कक्षा के एक आदिवासी छात्र साहिल सोरेन का पेड़ से लटका शव बरामद हुआ है।आशंका जताई जा रही है किसी ने हत्या कर उसके शव को पेड़ से लटका दिया है।यह घटना बुधवार को सुबह हुई। न्यू बांधपाड़ा में दुमका सेंट्रल जेल के पीछे एक बरगद की पेड़ से गमछा के सहारे उस छात्र का शव लटका है।परिजनों का कहना है कि गमछा उसका नहीं है। साहिल सोरेन जिले के रामगढ़ इलाके का निवासी था।वह दुमका शहर में बाल सैनिक स्कूल में 10 वीं की पढ़ाई कर रहा था।दुमका में वह अपनी नानी और बहन के साथ रहता था। पिता का निधन हो चुका है और मा दिल्ली में दैनिक मजदूरी करती है। घटना की सूचना मिलने पर दुमका टाउन थाना की पुलिस मौके पर पहुंच कर छानबीन में जुटी है।

महिलाओं ने पूर्व मंत्री के नेतृत्व में निकाला न्याय यात्रा

कहा- हत्यारे को फांसी दो, पीड़िता को न्याय देना होगा

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। सिदो कान्हू चौक से लेकर इंडोर स्टेडियम तक न्याय यात्रा निकाली गई। यात्रा का नेतृत्व पूर्व मंत्री डॉ लुईस मरांडी ने किया। दुमका जिले के सभी प्रखंडों विशेषकर दुमका, मसालिया, जरमुंडी, शिकारीपाड़ा एवम दुमका शहर की हजारों महिलाओं ने इस न्याय यात्रा में भाग लिया। यात्रा की शुरुआत सिदो कान्हू चौक स्थित अमर शहीद से दुकानों की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ की गई। महिलाओं ने हत्यारे को फांसी दो, पीड़िता को न्याय देना होगा, तुमको बेटियों को सुरक्षा देना होगा के साथ-साथ मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं दुमका विधायक बसंत सोरेन हाय हाय एवं मुर्दाबाद जैसे नारे लगाते हुए पूरे बाजार का भ्रमण करते हुए वीर कुंवर सिंह चौक होते हुए दुमका के सिदो कान्हू इंडोर स्टेडियम पहुंची। जहां उपस्थित महिला जनसमूह को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री डॉ लुईस मरांडी ने कहा कि जिस तरह दुमका सहित संपूर्ण झारखंड में महिलाओं के प्रति अपराध का ग्राफ बढ़ा है और सरकार का रवैया जिस तरह से उदासीन है, पुलिस प्रशासन की कार्यशैली ओं पर भी सवाल उठ रहे हैं मुख्यमंत्री कहते हैं ऐसी घटनाएं होती रहती हैं वहीं मुख्यमंत्री के भाई और विधायक बसंत सोरेन मामले को प्रेम प्रसंग से जुड़ा बताते हैं। डॉ मरांडी ने कहा की पार्टी से इतर एक महिला होने के नाते मैं मुख्यमंत्री एवं विधायक के वक्तव्य की घोर आलोचना करती हूं। हमें ऐसे विधायक और ऐसे मुख्यमंत्री पर अपने बहनों की सुरक्षा को लेकर कोई भरोसा नहीं, यात्रा में सम्मिलित महिलाओं से डॉक्टर मरांडी ने आ''ान किया कि स्वयं अपने एवं अपने समाज के बहू बेटियों के अस्मिता की रक्षा के लिए हम सबको स्वयं आगे होगा। गांव गांव जाकर हमें महिलाओं की एक कमेटी का निर्माण करना चाहिए जो ऐसे विषयों पर ग्रामीण बच्चियों को जागरूक कर सके साथ ही गांव में किसी भी बाहरी व्यक्ति या किसी अनैतिक अवैध गतिविधि पर भी नजर रख सकें एवं इसकी जानकारी आगे पहुंचाएं जिससे पुलिस प्रशासन को भी ऐसे तत्वों पर कार्रवाई करने में आसानी हो। कार्यक्रम में मुख्य रूप से बासुकीनाथ नगर पंचायत की अध्यक्ष पूनम देवी, भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष नीतू झा, प्रदेश उपाध्यक्ष महिला मोर्चा अमिता रक्षित, निलम मोर, अर्पणा झा, मनोरमा देवी, अनीता मुर्मू उर्मिला हेंब्रम, सुहागिनी टुडू, मेरीनीला मुर्मू, संगीता मुर्मू, संतोशिला हेंब्रम, चंपा बास्की, लता देवी, दुर्गी देवी, गुड़िया दास, आरती दास, गीता दास, लतिका दास, मुन्नी देवी सहित अनेकों महिलाए शामिल हुई।

दिव्यांग बच्ची दर्पण की हत्या के इंसाफ में नवयुवक बर्णवाल संघ के सैकड़ो लोगों ने निकाला कैंडल मार्च

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

देवघर। देवघर जिला के रामपुर मुहल्ले की रहने वाली 7 वर्षीय दिव्यांग बच्ची दर्पण कुमारी की हरियाणा के गुरुग्राम स्थित कैप्टन चंदन लाल ब्लाइंड स्कूल में संदिग्ध रूप से मौत हो गई।महज एक महीने पूर्व ही इस बच्ची का दाखिला इस स्कूल में उनके पिता बबलू बर्णवाल ने करवाया था।बच्ची की पोस्टमार्टम में साफ बताया गया कि दर्पण के शरीर गहरे चोट के कई निशान है।वही बच्ची के पिता ने स्थानीय थाना में स्कूल प्रबंधन पर बच्ची की हत्या की लिखित शिकायत दी।बावजूद पुलिस ने अभी तक कोई मामला दर्ज नही किया है।वही आज गुरुग्राम पुलिस के इस रवैया से बर्णवाल समाज में काफी आक्रोश है । बर्णवाल समाज अपनी बच्ची दर्पण को न्याय दिलाने के लिए संघर्षरत है।वही इंसाफ की माँग और बच्ची को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करने को लेकर नवयुवक बर्णवाल संघ के जिला अध्यक्ष रबिन कुमार बर्णवाल के नेतृत्व में सैकड़ो लोगों ने बरनवाल सेवा सदन टॉवर चौक तक कैंडल मार्च निकाला।हरियाणा सरकार व पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सभी दर्पण की हत्या करने वालो को फाँसी देने की माँग की। बता दे की देवघर की बच्ची दर्पण बचपन से ही नेत्रहीन थी।जिसे 25 अगस्त 2022 को कैप्टन चंदन लाल स्कूल फॉर ब्लाइंड में बेरहमी से पिटाई के बाद हत्या कर दी गई थी।इस कैंडल मार्च में राजेश कुमार बर्णवाल,ललन कुमार बर्णवाल,महेश कुमार बर्णवाल, मनोज कुमार बर्णवाल, सुधांशु बर्णवाल, मदन बर्णवाल, राकेश कुमार बर्णवाल, रोहित कुमार,रोबिन कुमार,सहित समाज के सैकड़ों लोग शामिल हुए।

सारजोम बेडा क्लब ने पीड़ित के परिजन को दिया 10 हजार का सहायता राशि

दुमकाःकुछ दिन पहले सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय,दुमका दिग्गी ओ पी थाना क्षेत्र के श्रीअमड़ा में आदिवासी नाबालिक किशोरी के साथ दुष्कर्म और हत्या कर शव को पेड़ से लटका दिया गया था .जिससे पूरा समाज मर्माहित और आक्रोशित है. 6 सितम्बर को सारजोम बेडा क्लब दुमका के ओर से पीड़िता का घर रानेश्वर ब्लॉक जाकर उसके पिता को दस हजार सहायता राशि सहयोग के रूप में दिया और आगे भी मदद का आश्वासन दिया.पीड़िता के पिता ने क्लब को बताया कि परिजन आयोग से मिलना चाहते है.आगे बताया कि बंदी के दिन गांव के ग्राम प्रधान के दबाव के कारण हम सभी परिजन को दुमका जाना पड़ा.जबकि प्रशासन ने कहा था कि आप कहि भी नही जायेगे क्योकि आयोग आपसे मिलने आने वाले है. इस मोके में अमर हेम्ब्रोम,मार्टिन कुस्कू,राजेश सोरेन,मुकेश टुडु,राहुल मुशी टुडु,पीटर टुडु,अमित हांसद,ब्रहमदेव सोरेन,तुसार हेम्ब्रोम,अभिनव सोरेन आदि उपस्थित थे.

शीघ्र दर्शन कूपन में आवशयक जानकारी अंकित होना जरूरी : चंद्र शेखर खवाड़े

देवघर/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासभा के राष्ट्रीय युवा मंत्री चंद्रशेखर खवाड़े ने अनुमंडल पदाधिकारी को ज्ञापन देते हुए बाबा बैधनाथ धाम मंदिर में आए हुए श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु सुझाव प्रेषित किया है।अपने ज्ञापन के माध्यम से कहा है कि बाबा बैद्यनाथ मंदिर में सालों भर (श्रद्धालुओं) भक्तों की भीड़ बाबा वैद्यनाथ के मनोकामना लिंग पर पूजन करने के लिए आते रहती है।इस क्रम में श्रद्धालुओं की सुविधा एवं पूजन में सुविधा,शीघ्रता हेतु झारखण्ड सरकार द्वारा कूपन निर्गत कर भक्तों से एक निश्चित राशि के बदले उनको शीघ्र दर्शन के कूपन बेचे जाते हैं .इस शीघ्र दर्शन कूपन में किसी भी प्रकार की कोई जानकारी लिखित नहीं रहने के कारण श्रद्धालुओं में कूपन के दाम एवं अन्य विषयों को लेकर प्रायःअविश्वास की स्थिति उत्पन्न हो जा रही है।वहीं श्री खबाड़े ने कहा है कि बाबा वैद्यनाथ मंदिर मे जब भक्त गर्भ गृह में पूजा करने पहुँचते हैं तो वहां उपस्थित सरकारी पुजारियों एवं अन्य पंडित,पुरोहितों में फर्क नहीं कर पाते हैं जिस कारण से कई बार भक्तों को दान-दक्षिणा देने में असहजता का भाव देखा जाता रहा है।ऐसी स्थिति में शीघ्र दर्शन कूपन पर सरकार के चिन्ह सहित कुपन का मूल्य एवं अन्य संबंधित बातें लिखित होना जरूरी है। बाबा मंदिर के गर्भ गृह में उपस्थित सरकारी पुजारियों का एक ड्रेस कोड नाम सहित अवशय हो साथ ही मंदिर से संबंधित सभी कर्मचारियों, पदाधिकारियों के कार्य मोबाइल नंबर सहित पट पर लिखवा कर प्रदर्शित करवाया जाए इन सभी चीजों के कूपन में अंकित होनें से श्रद्धालुओं को सुविधा होगी साथ ही पंडा को लेकर कोई झंझावत की स्थिति नहीं बनेगा।

अंचल अधिकारी से क्षुब्ध होकर पीड़ित परिवार बैठे आमरण अनशन पर

बेंगाबाद/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। अंचल अधिकारी बेंगाबाद की कार्य से क्षुब्ध होकर बुधवार से अनिश्चितकालीन अनशन अंचल अधिकारी कार्यालय बेंगाबाद के समक्ष छोटकीखरगडीहा पंचायत के हरखुडीह निवासी पुरुषोत्तम साव नीलकंठ साव भुनेश्वर साव बजरंगी साव इशवर साव रोहित साव, जगन्नाथ साव छोटी साव राजेश साव भागीरथ साव मित नारायण वर्मा के अलावे दर्जनों समर्थक बैठ गए हैं। वही आमरण अनशन में भाजपा के पूर्व विधायक लक्ष्मण स्वर्णकार भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष यदुनंदन पाठक भाजपा नेता महेंद्र प्रसाद वर्मा सोनवाद पंचायत के पंचायत समिति सदस्य अजीत सिंह और सामाजिक संगठन के सुनील यादव के अलावे दर्जनों समर्थकों ने भी भाग लिया । इस मौके पर पूर्व विधायक लक्ष्मण स्वर्णकार ने कहा है कि आमरण अनशन की मांग यदि जायज है तो बेंगाबाद अंचल अधिकारी इस पर त्वरित जांच कर कार्रवाई करें। हालांकि पूर्व विधायक लक्ष्मण स्वर्णकार पूर्व जिला अध्यक्ष यदुनंदन पाठक के अलावे अन्य भाजपाइयों ने बेंगाबाद अंचल अधिकारी से इस बात को अवगत कराया जहां अंचल अधिकारी कृष्ण कुमार मरांडी ने कहा कि आमरण अनशन कारियों की मांग गलत है उक्त जमीन के बारे में पूर्व में ही लिख कर दे चुका है कि यह जमीन गैरमजरूआ वन भूमि क्षेत्र में पड़ता है इसे अतिक्रमणकारियों से मुक्त कराया जाए। और आज स्वयं उस जमीन पर अपना हकनामा जता रहा है। जांच उपरांत विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी। इधर अनशन कारी दिनभर उपवास रहने के कारण उनकी हालत खराब हो रही थी हालांकि अंचल अधिकारी ने कहा कि इनकी देखभाल के लिए प्रशासन के साथ-साथ चिकित्सक का भी विशेष सुविधा की गई है

● अनशन कारियों की क्या है मांग

1. गैरमजरूआ जमीन जो रिटर्न में मान्यता है या नहीं जवाब दो।
2.यदि रिटर्न का मान्यता नहीं है तो हम अतिक्रमण कारी कैसे जवाब दो ।
3.एक खाता के प्लॉट की जमीन पर दो तरह का आदेश क्यों जवाब दो
4.हम वंशागत किसान रैयत हैं अतिक्रमण कारी नहीं ।
5.पत्रांक 423 दिनांक 18.8.2022 के आदेश को रद्द करो

मानवाधिकार के लोगों ने शिक्षक को किया सम्मानित

गिरिडीह/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। शिक्षक दिवस पर सर जे सी बोस कन्या उच्च विद्यालय गिरिडीह में शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण ब्यूरो के प्रदेश महासचिव (युवा) झारखंड से जितेन्द्र कु. वर्मा एवं महिला विंग जिला अध्यक्ष शिल्पा बर्मन के द्वारा ₹ शिक्षक प्रेरणा सम्मान का आयोजन किया गया था जिसमें सरकारी शिक्षक जैसे की- पचम्बा - गिरिडीह आईटीआई के ब्यूरो चीफ अनुदेशक अशोक शर्मा सर एवं कलू राम मोदी मेमोरियल वरांचल कॉलेज गिरिडीह के प्रोफेसर मनोज साह सर तथा प्राथमिक विद्यालय मघैया टोला के प्रधानाचार्य मदन कुमार रतन सर अवशय कार्यों के कारण 5 सितम्बर को सर जे सी बोस स्कूल नहीं पहुंच पाए थे उसके वज़ह उसका मानवाधिकार के गिरिडीह जिला शिक्षा बेस्ट पुरूस्कार प्रशासनिक पत्र प्रदान नहीं हो सका था उसके एवज में आज बुधवार उसके शिक्षण-प्रशिक्षण संस्थान पहुंच कर स्वयं प्रदेश महासचिव युवा जितेन्द्र वर्मा जी ने सम्मान पत्र पुरूस्कार भेंट प्रदान किया और आशिर्वाद प्राप्त किया ।

बरगंड़ा उसरी नदी के पुराना जर्जर पुल पर भाकपा माले ने भरी हुंकार

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

गिरिडीह। गिरिडीह भाकपा माले के विधानसभा प्रभारी कॉमरेड राजेश सिन्हा द्वारा लगातर पुराना पुल जो उसरी नदी बरगंडा में बना है,पर आवाज उठाते रहें हैं ।आज सिन्हा ने पुराना पुल का औचक निरीक्षण आम लोगो के साथ किया है। उन्होंने कहा की प्रशासन ने सुरक्षा के दृष्टिकोण से दोनो तरफ दीवार लगा कर आवाजाही रोक दिया है वह जायज है।किंतु क्या स्थानीय लोगों और राहगीरों के लिए जिला प्रशासन द्वारा किया गया कार्य यथोचित विकल्प है? स्थानीय लोग और राहगीर लंबे समय से परेशान है? पुल जल्द बने इसके लिए बिरसा चौक पर 11 सितंबर रविवार से अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन करेंगी माले।यदि बात नहीं मानी गई तत्काल तो 18 सितंबर से अनशन पर बैठेंगे।,इसके बाद भी यदि सार्थक पहल नहीं हुवा तो आगे आंदोलन तेज और आक्रामक होते जायेगा।ज्ञात हो कि लगातार दस - बारह सालों से जर्जर अवस्था में पुल को छोड़कर स्थानीय जनता और राहगीरों को परेशान किया जा रहा है। पहले बीजेपी ने आवश्वशन दिया चुनाव में ढोल नगाड़ों के साथ जनता को लेकर भीड़ लगाई ताकि वोट आ सके,वोट मिल गया अब शांत है। इसी प्रकार जेएमएम की सरकार भी लगभग ढाई साल पार कर चुकी है,उनका भी लगातार आश्वासन से लोग परेशान है।धरातल पर सतादल का रिजल्ट जीरो है। शायद जिला प्रशासन को किसी बडी दुर्घटना का इंतजार है तभी पुल का निमार्ण कार्य शुरु किया जाएगा। वर्तमान स्थिति से ऐसा ही प्रतीत हो रहा है।माले लोकतांत्रिक आंदोलन के लिए जाना जाता है,दूसरे दल को आंदोलन से कोई लेना देना नहीं है ।इसी का परिणाम है कि पुराना पुल वर्षों से जस का तस टूटा हुआ और पुरी तरह से जर्जर अवस्था में पड़ा हुआ है।

डी ए वी कॉलेज,पंचवटी स्कूल के अलावा दर्जनों निजी स्कूल , सरकारी स्कूल और निजी और सरकारी कार्यालय है,अंचल कार्यालय है,गिरिडीह कॉलेज है मेन रोड है,लेकिन निष्क्रिय विभाग और सरकार शांत है।माले जब जब आवाज उठाया एक वायरल फोटो सोसल मीडिया में शुरू हो जाता है आना,इसको बंद कर धरातल वाला लेटर चाहिए जनता को।

आज जनता के आवागमन वाली जगह पर तिरंगा और और लाल झंडा लेकर मुद्दे पर बात की गई जनता और स्टूडेंट परेशान है देखा जा सकता है।लिखित आवेदन एसडीएम को जल्द ही देंगे,ताकि लोकतांत्रिक तरीके से चरणबद्ध तरीके से आंदोलन करने में किसी प्रकार की को चूक न हो ।, फर्जी केस करवाने वाले गिरोह भी इस जिले में सक्रिय है। स्थानीय प्रतिष्ठित समाज सेवी अजय केशरी,अशोक कुमार,विकास सिन्हा,राजू राणा,पंकज सिंह,उमेश वर्मा रविंद्र विधार्थी,छोटू मास्टर,नासीर शेख ,रक्षित कुमार आदि ने भी तिरंगे के साथ अपने अपने विचार रखे। सभी आम जनता, स्थानीय जनता उक्त कार्य में खुलकर साथ देने की बात कही है।

साइबर की आशंका पर तीन साइबर अपराधियों को किया गया गिरफ्तार, भेजा जेल

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

बेंगाबाद। बेंगाबाद थाना प्रभारी प्रदीप कुमार के नेतृत्व में बनी टीम ने बेंगाबाद थाना क्षेत्र के तीन अलग-अलग जगहों से साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। वहीं इस मामले में तीनों अभियुक्त के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करते हुए बुधवार को जेल भेज दिया है। बताया जाता है कि गुप्त सूचना के आधार पर जानकारी मिली थी कि फर्जी बैंक मैनेजर बनकर लोगों को ठगने का काम कर रहा था। सूचना मिलते ही पुलिस अपनी जाल बिछाते हुए अलग-अलग ठिकानों से तीनों साइबर युवकों को दबोचा है। इस मामले में थाना प्रभारी प्रदीप कुमार ने कहा है कि थाना कांड संख्या 207/22 दिनांक 06/09/2022 धारा 419/420/414/467/468/469/471/34 भा0द0वि0 एवं 66(सी)/66(डी) आईटी ऐक्ट . के प्राथमिकी अभियुक्त 1.इम्तियाज अंसारी पिता सागिर अंसारी 2. इम्तियाज अंसारी उर्फ गोलका पिता सफीक अंसारी दोनो साकिन देवाटांड थाना बेंगाबाद 3.राजू अंसारी पिता खलील अंसारी साकिन महदडीह, पो0 सोनारडीह थाना जमुआ तीनो जिला गिरिडीह को विधिवत गिरफ्तार किया गया है । जिन्हें उचित मार्ग रक्षी दल के साथ विधिवत कागजात तैयार कर अग्रसारण प्रतिवेदन के साथ न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया । इधर साइबर अपराधी पकड़े जाने से साइबर अपराधियों में हड़कंप मचा हुआ है।

मंत्री हफीजुल हसन ने अपने किडनी ट्रांसप्लांट के मरीज को इलाज के लिए सौंपा चेक

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

मधुपुर।
स्थानीय विधायक सह सूबे के अल्पसंख्यक कल्याण,कला संस्कृति, खेलकूद,पर्यटन, युवा मामले व निबंधन विभाग के मंत्री हफीजुल हसन ने बुधवार को अपने विधानसभा क्षेत्र के केला बागान स्थित अपने आवास पर किडनी ट्रांसप्लांट के मरीज की सहायता के लिए चेक सौंपा।मंत्री हफीजुल हसन ने बताया कि स्थानीय बेलपाड़ा निवासी मोहम्मद सलाउद्दीन अंसारी किडनी ट्रांसप्लांट के मरीज हैं। इनको मुख्यमंत्री चिकित्सा अनुदान से जिला द्वारा 5 लाख रूपया, मुख्यमंत्री वैवेकिक अनुदान द्वा-रा एक लाख की राशि और हमारे वैवेकिक अनुदान से 25 हजार रूपया की राशि मुहैया कराई गई है।किडनी ट्रांसप्लांट के मरीज के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की दुआ करता हूं। सरकार सभी गंभीर रूप से बीमार मरीजों के लिए गंभीर और प्रतिबद्ध है!

डॉ राजीव रंजन बने आम आदमी पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष

देवघर/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। जिला के जाने माने चिकित्सक सह समाज सेवी डॉ राजीव रंजन को 'आप पार्टी' ने इनकी राजनीतिक और सामाजिक सक्रियता को देखते हुए झारखण्ड प्रदेश का उपाध्यक्ष मनोनीत किया है।इस संदर्भ में प्रदेश सचिव आविद अली ने पत्र जारी कर बताया है कि आम आदमी पार्टी झारखण्ड के प्रदेश संयोजक डीएन सिंह के अनुशंसा एवं प्रदेश प्रभारी दुर्गेश पाठक के निर्देशानुसार डॉ राजीव रंजन को आम आदमी पार्टी झारखण्ड प्रदेश का प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर मनोनीत किया जाता है।उम्मीद है पार्टी के नियमों का पालन करते हुए पार्टी को जन जन तक पहुंचाने और संगठन निर्माण एवं विस्तार हेतु पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे।वहीं डॉ राजीव को बधाइयों का ताता लगा हुआ है।

जिला 20 सूत्री क्रियान्वयन समिति ने मंत्री हफीजुल हसन का किया अभिनंदन

हेमंत सरकार जो कहती है वह करती है : हफीजुल हसन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

मधुपुर । हेमंत सरकार द्वारा देवघर जिला बीस सूत्री क्रियान्वयन समिति के गठन किए जाने पर बुधवार को जिले के विभिन्न प्रखंडों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व सदस्यों ने मधुपुर स्थित मंत्री आवास पर पहुंचकर सूबे के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफीजुल हसन का गर्मजोशी से स्वागत और अभिनंदन किया। इस दौरान मंत्री ने 20 सूत्री क्रियान्वयन समिति के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व समिति सदस्यों को माला पहनाकर स्वागत किया। मंत्री हफीजुल हसन ने कहा कि देवघर जिला 20 सूत्री क्रियान्वयन समिति गठित होने पर अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व सभी प्रखंड के सदस्यों को मेरी ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं। आशा है सभी मिलकर जिले का सर्वांगीण विकास करने में अपना अपेक्षित सहयोग व योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेसका राजद व झामुमो गठबंधन के मुखिया हेमंत सोरेन के नेतृत्व में हर क्षेत्र में राज्य सर्वांगीण विकास की ओर अग्रसर है। सरकारी व संविदा पर काम करने वाले कर्मचारियों के हित के अलावा कई ऐतिहासिक कार्य हेमंत सोरेन सरकार ने किया है। जिसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए कम है।मंत्री ने कहा कि सवा लाख कर्मियों को पुरानी पेंशन लागू होने पर पूरे राज्य में सरकारी कर्मियों में खुशी की लहर है राज्य की अहम जरूरतों पर भी ध्यान सरकार दे रही है। जिसमें समाजिक सुरक्षा सबसे अधिक जरूरी है। कहा कि उन्होंने पूर्व में भी कहा था कि हमारी सरकार बोलने में नहीं काम करने विश्वास रखती है। हेमंत सरकार ने वर्षों से पारा शिक्षकों की लंबित मांगों को पूरा करने का काम किया है। कहा की हमारी सरकार वर्षों से पारा शिक्षकों की मांग को भी पूरा किया और उनके चेहरे पर मुस्कान लाने का काम किया है। पुलिस कर्मियों की मांग हमारी सरकार ने ही पूरा किया।इस दौरान विभिन्न प्रखंडों में 20 सूत्री समिति के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष मनोनीत होने पर उपस्थित सदस्यों ने कहा कि झारखंड सरकार ने हमें जो जिम्मेदारी दी है उसे पूरी ईमानदारी एवं निष्ठा से निभा कर सरकार की योजनाओं को धरातल पर लागू कराएंगे*। *मौके पर सोहन मुर्मू, मधुपुर प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष दिनेश्वर किस्कू, उपाध्यक्ष शाकिर अंसारी, सदस्य जैनुद्दीन खान विनोद कुमार वर्मा, गंगा प्रसाद दास, प्रकाश दास, बलदेव दास त्रिपुरारी सिंह, गुगनी देवी, करौं प्रखंड अध्यक्ष कंगलू मरांडी, उपाध्यक्ष भागीरथ गोस्वामी, सदस्य राजेंद्र सिंह, मदन ओझा, फुलेश्वर रवानी कमरुद्दीन अंसारी, राजेंद्र दास, मार्गोमुंडा प्रखंड अध्यक्ष सोहन मुर्मू, उपाध्यक्ष मुर्शीद अली, सदस्य सोहराब अंसारी, डूगु टुडू,सुधीर मंडल, छोटू कि-स्कू बलदेव मुर्मू, देवघर प्रखंड अध्यक्ष,राजीव रंजन, उपाध्यक्ष विपिन यादव, सदस्य मंटू दास सुधीर कुमार देव, सुखलाल हेंब्रम, संजू मुरमुर समीम,देवीपुर प्रखंड अध्यक्ष, जुलेश मरांडी, उपाध्यक्ष तेज नारायण वर्मा, सदस्य मिथुन जय मंडल अंसारी अहमद लखन बास्की विजय दास गणेश किस्कू, झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला अध्यक्ष संजय शर्मा, देवघर जिला मीडिया प्रभारी समीर आलम मोरीफ खान, लखन किस्कू सहित सैकड़ों पार्टी कार्यकर्ता व समर्थक उपस्थित थे!

छात्रवृत्ति योजना में तेजी लाने को लेकर उपयुक्त ने किया बैठक दिए कई निर्देश

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

गिरिडीह। उपायुक्त, गिरिडीह की अध्यक्षता में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़े वर्ग के छात्रवृत्ति योजना से संबंधित बैठक हुई ' बैठक में जिला कल्याण पदाधिकारी के द्वारा बताया गया कि झारखंड राज्य के अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति तथा पिछड़ा वर्ग के प्री मैट्रिक एवं पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के तहत नई नियमावली बनाई गई है 'नई नियमावली के तहत छात्रवृत्ति हेतु कक्षा 1 से 8 तक के छात्र-छात्राओं के माता पिता/अभिभावक के वार्षिक पारिवारिक आय की कोई सीमा नहीं होगी ' तथा 9-10 एवं पोस्ट मैट्रिक के लिए माता पिता/अभिभावक की वार्षिक आय 2.5 लाख से ज्यादा नहीं होनी चाहिए ' छात्र - छात्राओं के आवेदन हेतु विद्यालयों के प्रधानाध्यापक को आईएनओ इंस्टीट्यूट, नोडल ऑफिसर नामित किया गया है तथा जिला कल्याण पदाधिकारी को डीएनओ डिस्टिक नोडल ऑफिसर नामित किया गया है ' सभी आईएनओ को जिला कल्याण पदाधिकारी के द्वारा आईडी पासवर्ड उपलब्ध कराया जाएगा तथा आई एन ओ का दायित्व होगा वह छात्र छात्राओं का इंट्री ई- कल्याण पोर्टल पर करेंगे ' जिला कल्याण पदाधिकारी डीएनवो लेवल पर सही पाए गए आवेदनों को जिला स्तरीय अनुमोदन एवं अनुश्रवण समिति को अग्रसारित करेंगे ' आवेदनों को स्वीकृति और स्वीकृत करने का अधिकार जिला स्तरीय अनुमोदन एवं अनुश्रवण समिति को होगा '

जिला स्तरीय अनुमोदन एवं अनुश्रवण समिति में निम्नांकित सदस्य होंगे :-- उपायुक्त (अध्यक्ष), उप विकास आयुक्त/परियोजना निदेशक, आईटीडीए (उपाध्यक्ष), जिला शिक्षा पदाधिकारी (सदस्य), जिला शिक्षा अधीक्षक (सदस्य), कोषागार पदाधिकारी (सदस्य), अग्रणी बैंक के जिला प्रबंधक (सदस्य)एवं जिला कल्याण पदाधिकारी (सदस्य सचिव) होंगे '

- **छात्रवृत्ति दर की नई नियमावली निम्नांकित होगी**

» (1) कक्षा 1 से 5 , छात्रावासी के लिए दर 1500 रुपये , दिवाकालीन के लिए दर 1500 रुपये '

» (2) कक्षा 6 से 8 , छात्रावासी के लिए दर 2000 रुपये , दिवाकालीन के लिए दर 2000 रुपये '

» (3) कक्षा 9 से 10 , छात्रावासी के लिए दर 4500 रुपये , दिवाकालीन के लिए दर 4500 रुपये '

उपायुक्त के द्वारा सभी पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया की वह समन्वय के साथ कार्य करें एवं सभी छात्र- छात्राओं को समय पर छात्रवृत्ति का भुगतान करना सुनिश्चित करेंगे '

कक्षा 1 से 8 के छात्र - छात्राओं का छात्रवृत्ति का भुगतान उनके माता-पिता/ अभिभावक के खाते में डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित किया जाएगा तथा कक्षा 9 -10 के छात्र - छात्राओं का डीबीटी द्वारा छात्र-छात्रा/माता पिता/अभिभावक के खाते में हस्तांतरित किया जाएगा ' पोस्ट मैट्रिक के छात्र-छात्राओं का छात्रवृत्ति का भुगतान पी एफ एम एस के माध्यम से डीबीटी द्वारा छात्र- छात्रा के आधार आधारित खाता में हस्तांतरित किया जाएगा ' बैठक में उप विकास आयुक्त ,जिला कल्याण पदाधिकारी ,जिला शिक्षा पदाधिकारी ,जिला शिक्षा अधीक्षक तथा अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे '

अवैध शराब मामले में उत्पाद विभाग ने शराब लदे दो ट्रकों को पकड़ा,3 को किया गिरफ्तार

गिरिडीह/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। अवैध शराब की कालाबाजारी करने वाले तीन लोग समेत शराब पेटी लोड दो ट्रक को मंगलवार को उत्पाद टीम नें बरमसिया उत्पाद डिपु लाया। बताया गया कि दो अलग-अलग स्थानों पर छापा मारकर उत्पाद टीम नें ट्रकों को आरोपियों के साथ पकड़ा है।जानकारी दी गई कि अवैध शराब लदे पहले ट्रक को निमियाघाट थाना क्षेत्र अंतर्गत से पकड़ा गया। वहीं दूसरा ट्रक बगोदर थाना क्षेत्र से पकड़ा गया। इस बाबत उत्पाद अधीक्षक सुधीर कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि गिरिडीह जिले होकर 2 अवैध लोड ट्रक अरुणाचल प्रदेश जाने वाली है

इसको लेकर रांची बोकारो हजारीबाग गिरिडीह पुलिस को अलर्ट कर दिया गया था। सूचना के बाद उत्पाद पुलिस की टीम के अलावे सरिया बगोदर और डुमरी थाना प्रभारी के नेतृत्व में जांच अभियान चलाया गया। इसके बाद जीटी रोड पर घेराबंदी कर अवैध शराब लोड ट्रक को पकड़ा गया। उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि कागजातों की जांच पड़ताल के दौरान पाया गया कि परमिट 4 सितंबर तक ही मान्य है। इसके बावजूद भी 5 सितंबर को खुलेआम ट्रक घूम रहा था। उन्होंने बताया कि अवैध शराब गोवा में लोड हुआ था और अरुणाचल प्रदेश जाने का परमिट बना था।

हालांकि यह जांच का विषय है ।जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि आखिरकार अवैध शराब कहां ले जाया जा रहा था। उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि लगभग पौने दो करोड़ का शराब पकड़ा गया है। अनुमान लगाया जा रहा है कि अरुणाचल प्रदेश के नाम पर परमिट बनाकर गिरिडीह और धनबाद जिले में खपाने की तैयारी थी। फिलहाल गिरफ्तार तीनों आरोपी को सदर अस्पताल में मेडिकल टेस्ट के बाद जेल भेज दिया गया। छापेमारी टीम में उत्पाद विभाग की ओर से अवर निरीक्षक विनोद कुमार सिंह सुखदेव यादव राम बच्चन यादव भगवान राम सुरेंद्र यादव नरेश प्रसाद राय नंद किशोर दुबे जितेंद्र सिंह आदि शामिल थे।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह को लेकर प्रतियोगिताओं की गई आयोजित

देवघर/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। बुधवार को स्थानीय गीता देवी डीएवी पब्लिक स्कूल कास्टर टाउन, देवघर में विद्यालय की ओर से बच्चों के बीच राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिनमें वर्ग चतुर्थ के लिए चार्ट पेपर पर संतुलित आहार का चार्ट बनाना, पाँचवीं के लिए विभिन्न पोषक तत्वों के लिए कमी रोग को चार्ट पेपर पर खूबसूरती से लिखना, छठी के लिए छात्रों को भारत का नक्शा दिखाने वाली रंगोली बनाना और फिर अलग-अलग राज्यों के व्यंजन दिखाना तथा सातवीं के लिए स्वस्थ सलाद बनाकर पोषण लाभों का वर्णन करते हुए दिखाना था।इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों में पोषक तत्वों के प्रति रुचि तथा अपने स्वास्थ्य के प्रति स्वावलंबन की चेतना को जागृत कराना था। निर्णायक की भूमिका में शामिल विश्व रंजन झा,शशि भूषण सिंह,पूजा सिन्हा,रश्मि सिन्हा तथा सारिका कुमारी ने बच्चों की गतिशीलता को सराहनीय बताया।

स्वस्थ जीवन के लिए संतुलित आहार की जानकारी सबके लिए आवश्यक है।कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के सभी शिक्षक-ों एवं शिक्षिकाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उक्त बातों की जानकारी मीडिया प्रभारी अमित कुमार सिंह ने दी।

स्वास्थ्य विभाग की केंद्रीय टीम पहुंची देवघर सदर अस्पताल

- **वित्तीय वर्ष 2022 का मूल्यांकन एवं अनुश्रवण कार्य की किया समीक्षा**

देवघर/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। वित्तीय वर्ष 2022 का मूल्यांकन एवं अनुश्रवण कार्य की समीक्षा को लेकर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन निदेशक के निर्देश पर मंगलवार को केंद्रीय टीम कि 5 सदस्य टीम देवघर सदर अस्पताल पहुंचे। केन्द्रीय टीम का नेतृत्व कर रहे अन्वेषक अखिल कुमार सिंह डॉ विजय यादव ने अपने साथ लाए ऑपरेटर के सहयोग से देवघर सदर अस्पताल का भौतिक सत्यापन डाटा के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी प्राप्त किया और डाटा को मिलान किया। वही वित्तीय वर्ष 2022 का आय व्यय मूल्यांकन पंजी अनुश्रवण पंजी आदि की जांच पड़ताल किया। टीम का नेतृत्व कर रहे अखिल कुमार सिंह ने देवघर सीएस डॉ युगल किशोर चौधरी, डी एस डॉ प्रभात रंजन, एसीएमओ डॉक्टर सीके शाही से सभी प्रकार की जानकारियां प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि यह टीम देवघर जिले में 3 दिनों तक रहेगी । जो जिले का सीएचसी एवं पीएचसी सेंटर जाकर भौतिक मूल्यांकन डाटा मिलान के अलावे अन्य कई प्रकार की जानकारी प्राप्त करेगी। फिलहाल मंगलवार को देवघर सदर अस्पताल में जांच-पड़ताल की जा रही है।

ओणम प्रेम व भाईचारे का संदेश देने वाला पर्व : डॉ. जे. सी. राज

- **ओणम के उपलक्ष्य में संत माइकल एंग्लो विद्यालय में पुष्प रंगोली प्रतियोगिता का हुआ आयोजन**

देवघर/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। ओणम पर्व के पावन अवसर पर संत माइकल एंग्लो विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बिना रंगों के फूलों से रंगोली बनाकर इसे मनाया। इस प्रतियोगिता में कक्षा छः से दस तक के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और अपने क्लास रूम के सामने सुंदर रंगोली बनाई।

प्रतियोगिता में रंगोली बनाने के लिए केवल विभिन्न प्रकार के फूलों का उपयोग किया गया था और छात्रों ने इस चुनौती को छोड़कर अपने रचनात्मक विचारों से कुछ अद्भुत रंगोली बनाई।

संत माइकल एंग्लो ग्रुप के चेयरमैन डॉ जे.सी. राज ने बताया कि छात्र-छात्राओं के बीच चार ग्रुप बना कर प्रतियोगिता करवाया गया। रंगोली सुगन्धित फुलों की पंखुड़ी से तैयार किया गया था।डॉ. राज ने कहा कि ओणम प्रेम व भाईचारे का संदेश देता है। इस पर्व को सबलोग मिलजुल कर मनाते हैं। किसानों के अलावा अन्य सभी लोग 10 दिन तक इस पर्व की खुशियां आपस में बांटते हैं। ऐसी मान्यता है कि राजा महाबली के धरती पर आने की खुशी में लोग अपने घरों को आकर्षक रंगोली से सजाते हैं। लोग अपने राजा का स्वागत करते हैं। इसी परंपरा का निर्वाह करते हुए ओणम में लोग रंगोली बनाते हैं। हर वर्ष स्कूल में भी बच्चे आकर्षक रंगोली बनाते हैं।

- **चेयरमैन के हाथों मिला पुरस्कार**

रंगोली प्रतियोगिता को ग्रुप चार ग्रुप ब्लू हाउस, रेड हाउस, ग्रीन हाउस व येलो हाउस में बांटा गया था। सभी ने केरला की संस्कृति व ओणम पर्व से संबंधित रंगोली बनाया। बेहतर प्रदर्शन के आधार पर प्रथम पुरस्कार रेड हाउस (गुनगुन, श्रुति, निर्दोष, अर्चना, पीयूष, स्मृति, आयुषि, अक्षिता, पूजा, शिवानी व विशेष) ब्लू हाउस (कनिष्का, साक्षी, राशि, श्रुति, गायत्री, आयुष, मुकेश व हर्ष) को द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार येलो हाउस (अनुकृति, पायल, अनुराग, मनी, सुलेखा, दुर्गा, अनु व वैष्णवी) को जबकि सांत्वना पुरस्कार ग्रीन हाउस (आशा, अनन्या, सत्यम, बेबी, मुस्कान, आयुष) को मिला। यह पुरस्कार इन्हें संत माइकल एंग्लो विद्यालय के चेयरमैन डॉ. जे.सी राज के हाथों दिया गया।

पुरानी पेंशन योजना लागू करने पर सरकार का जताया आभार

मधुपुर/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। झारखंड सरकार के द्वारा पुरानी पेंशन योजना को 1 सितंबर से झारखंड में लागू किए जाने की मंत्री परिषद के द्वारा स्वीकृति मिलने से राज्य के शिक्षकों में जश्न का माहौल है। बुधवार को मंत्री हाफिज उल हसन के स्थित केला बागान आवास में मार्गोमुंडा प्रखंड के शिक्षकों द्वारा मंत्री व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए मंत्री हफीजुल हसन को पुष्पगुच्छ, बुके देकर एवं माला पहना कर खुशी का इजहार किया एवं मंत्री का अभिनंदन किया गया। मौके पर शिक्षक मुजाहिद हुसैन ने कहा की पुरानी पेंशन बहाली की मांग सरकारी कर्मचारी वर्षों से करते आ रहे थे जिसे हेमंत सोरेन की सरकार ने अपने चुनावी घोषणा पत्र घोषणा पत्र में भी शामिल किया था और उसी घोषणापत्र के वादे को पूरा करते हुए 15 जुलाई 2022 को हेमंत सोरेन के झारखंड कैबिनेट ने पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने की अनुमति प्रदान कर दी मौके पर शिक्षक मोहम्मद मुजाहिद हुसैन, कालेश्वर दास, इरफान अंसारी, खालिद हुसैन, मुस्ताक आलम, सुशील कुमार, सुनील कुमार, सागर मंडल, रामेश्वर मुर्मू, दर्शन मुर्मू, छोटेलाल टूडू, रंजीत ओझा, श्यामसुंदर दास, श्यामलाल हेंब्रम, जॉन मुर्मू, परेशस आदि दर्जनो शिक्षक शामिल हुए!

नगर निगम में भ्रष्टाचार चरम पर : कन्हैया झा

- **निवर्तमान वार्ड पार्षदों ने नगर आयुक्त को सौंपा ज्ञापन**

देवघर/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। निगम अंतर्गत निवर्तमान वार्ड पार्षदों का एक प्रतिनिधि मंडल नगर आयुक्त शैलेन्द्र लाल से मुलाकात कर जनहित की मांगों का एक ज्ञापन सौंपा।इस दौरान मौके पर कन्हैया झा,रवि राउत,वशिष्ठ सुमन,सुमन पंडित,मृत्युंजय राऊत, अनुज कुमार सहित अन्य कई निवर्तमान पार्षद मौजूद थे।वहीं मौके पर सभी वार्ड के विकास सहित निगम से निलकने वाले टेंडर को लेकर नगर आयुक्त से उपस्थित निवर्तमान वार्ड पार्षदों ने चर्चा भी किया।इस सम्बंध में जोनल चेयरमैन रवि राऊत और वरिय पार्षद कन्हैया झा ने बताया कि वर्तमान में नगर निगम में भ्रष्टाचार का माहौल है बिना पैसा दिए किसी का कोई काम नहीं होता है और निगम की जनता भी निगम के अधिकारियों की कार्यशैली से काफी खिन्न हैं।आज आवास के लाभुकों को निगम का चक्कर लगाते लगाते गरीब की एड़ी घिस जा रही है पर उनका काम नहीं हो रहा है यैसे में निगम की कार्यशैली पूरी तरह से अराजक स्थिति में चल रही है इन सभी चीजों पर अंकुश लगाने का हम सबों ने आग्रह किया है अगर इसमें सुधार नहीं होता है तो हम सभी निवर्तमान वार्ड पार्षद आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

डॉक्टर रीटा झा ने किया इनर व्हील क्लब गिरिडीह का ऑफिसियल विजिट

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

गिरिडीह। 6 सितम्बर को इनर व्हील डिस्ट्रिक्ट 325 की डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन डॉक्टर रीटा झा इनर व्हील गिरिडीह के आधिकारिक दौरे पर आईं ।उन्होंने दिन में क्लब द्वारा ब्लाइंड स्कूल में बनाए गए इको ब्रिक बेंच का उद्घाटन किया ।शाम में उन्होंने क्लब के सभी पदाधिकारियों के कार्यों का निरीक्षण किया ।एवम सन्ध्या 7 बजे होटल गार्डन व्यू में जेनेरल मीटिंग सम्पन्न हुआ ।जेनेरल मीटिंग में इनर व्हील क्लब की सभी सदस्याएँ उपस्थित थी ,साथ ही गिरिडीह नगर निगम के मेयर श्री प्रकाश सेठ भी उपस्थित थे ।शहर के सभी रोटरी क्लब के सदस्यगण ,लायन्स क्लब के सदस्य ,सभी महिला संगठनों जैसे मारवाड़ी महिला समिति ,लायंस जागृति ,प्रेरणा शाखा आदि की सदस्याएँ भी उपस्थित थी ।कार्यक्रम की शुरुआत इनर व्हील प्रार्थना एवम दीप प्रज्वलन के साथ हुई ।अध्यक्ष रेखा तर्वे ने सभी अतिथियों का स्वागत किया ।स्मृति गुप्ता ने जुलाई एवम अगस्त महीने में क्लब द्वारा किये गए कार्यों की जानकारी दी ।क्लब द्वारा वनांचल कॉलेज के व्याख्याता को कॉलेज में इनस्टॉल करने के लिए एक बड़ा ड्रिंकिंग वाटर कुलर दिया गया ।दो शिक्षकों सुशील कुमार और इफ्तेखार आलम को साथ ही डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन ,जो कि जीव विज्ञान की शिक्षिका हैं,को शॉल और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया ।क्लब से एक नई सदस्या मौसुमि सरकार को औपचारिक रूप से इंडक्ट किया गया ।

क्लब एडिटर रजनी गुप्ता ने ई बुलेटिन रिलीज किया ।

डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन डॉक्टर रीटा झा ने अपने उद्बोधन में क्लब के क्रियाकलापों की सराहना की साथ ही ये भी कहा कि सभी पदाधिकारियों ने बहुत अच्छे तरीकों से अपने अपने फाइलों को रखा है। वाईस प्रेसिडेंट चंचल भदानी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।राष्ट्रीय गान के साथ कार्यक्रम की समाप्ति हुई ।क्लब की उपस्थित सदस्याएँ : अध्यक्ष रेखा तर्वे ,इंटरनेशनल इनर व्हील एडिटर प्रभा रघुनन्दन ,डिस्ट्रिक्ट ट्रेजरर रश्मि गुप्ता ,पी डी सी रुही अहमद ,वा-ईस प्रेसिडेंट चंचल भदानी ,पास्ट प्रेसिडेंट मौसुमि सरकार ,पास्ट प्रे-सिडेंट डॉक्टर मधुश्री सेन सान्याल ,पास्ट प्रेसिडेंट जसबीर कौर ,ट्रेजरर हेमा दत्ता ,एडिटर रजनी गुप्ता ,रूपश्री खेतान, ब्यूटी गुप्ता ,स्मृति गुप्ता ,ममाता कुमारी ,उमा गुप्ता ,राखी टारको,डॉक्टर पायल वर्मा ,निवेदिता पोद्दार ,रुचि तर्वे ,दीक्षा बैशख्यिार,रूपा रानी आदि ।

शिक्षा में सुधार

इस शिक्षक दिवस पर प्रधानमंत्री ने ट्वीट करके घोषणा की कि प्रधानमंत्री स्कूल्स फार राइजिंग इंडिया यानी पीएम-श्री योजना के तहत देश के साढ़े चौदह हजार स्कूलों को विकसित और उन्नत किया जाएगा। यानी उम्मीद जगी है कि सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरी लाने के लिए प्रयास शुरू कर दिया है। शिक्षा क्षेत्र की बदहाली किसी से छिपी नहीं है। शिक्षा संबंधी तमाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सर्वेक्षणों में बरसों से सरकारी स्कूलों में भवन, पीने के पानी, पाठ्य सामग्री, टाट-पट्टी आदि के अभाव के साथ-साथ अध्यापकों की बेहद कमी के तथ्य उजागर होते रहे हैं।

फिर यह भी हकीकत किसी से छिपी नहीं है कि बजट में शिक्षा पर खर्च का प्रावधान आवशयकता से काफी कम होने की वजह से स्कूलों की दशा में सुधार नहीं आ पा रहा। इसकी वजह से जो थोड़े सक्षम हैं वे अपने बच्चों को निजी स्कूलों में भेजना बेहतर समझते हैं। इससे प्रोत्साहित होकर निजी स्कूलों की संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है। मगर इसका नकारात्मक प्रभाव यह पड़ रहा है कि शिक्षा का अधिकार सांविधानिक संकल्प होने के बावजूद सभी बच्चों तक मुफ्त और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित नहीं हो पा रही। इसके चलते साक्षरता की दर अपेक्षित गति से नहीं बढ़ पाई है।

केंद्र सरकार इन तथ्यों से अनजान नहीं मानी जा सकती। हालांकि शिक्षा समवर्ती सूची का मामला है, जिसमें केंद्र और राज्य दोनों को साथ मिल कर काम करना होता है। जिन राज्यों में केंद्र से भिन्न राजनीतिक दल की सरकारें हैं वहां वे अक्सर स्कूलों की दुर्दशा का ठीकरा एक-दूसरे पर फोड़ती नजर आती हैं। मगर जिन राज्यों में केंद्र के सत्ताधारी दल की सरकारें हैं, वहां भी स्थिति बद से बदतर ही हुई है। आज स्थिति यह है कि कोई राज्य सरकार शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरी को अपनी उपलब्धि के तौर पर नहीं गिना सकती।

दिल्ली को अपवाद जरूर मान सकते हैं। दरअसल, सरकारी स्कूलों की दशा चिंताजनक होने के पीछे लंबी परंपरा चली आ रही है, जिसमें सरकारी स्कूलों के बजाय निजी क्षेत्र को स्कूल खोलने को प्रोत्साहन दिया गया। ऐसी इच्छुक कंपनियों, उद्यमों, संगठनों को सस्ती दर पर जमीन उपलब्ध कराई गई। मगर उस नीति ने शिक्षा को कारोबार में बदल दिया। अब धीरे-धीरे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पैसे वाले लोगों की पहुंच की चीज बन कर रह गई है। इस तथ्य से भी केंद्र सरकार अनजान नहीं। अच्छी बात है कि साढ़े चौदह हजार स्कूलों को विकसित और उन्नत करने का संकल्प लिया गया है, मगर इतने से शिक्षा के क्षेत्र में कितनी बेहतरी आएगी, देखने की बात है।

दरअसल, अब शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाएं सरकारों की प्राथमिक सूची से निकल कर महज चुनावी रणनीति का हिस्सा बन गई हैं। हर विपक्षी दल चुनाव के वक्त शिक्षा की बदहाली रेखांकित करता देखा जाता है और सत्ता पक्ष इसे बेहतर बनाने का भरोसा दिलाता रहता है। अगर सचमुच केंद्र सरकार शिक्षा क्षेत्र में बेहतरी को लेकर संजीदा है, तो उसे पहले उन बुनियादी अवरोधों को हटाने का प्रयास करना चाहिए, जिसके चलते सरकारी स्कूल दुर्दशा के शिकार हैं। नई योजना बना कर महज स्कूलों का रंग-रोगन कर देने या उनमें कुछ बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करा देने भर से वहां पढ़ाई-लिखाई का माहौल बेहतर हो जाने का भरोसा नहीं दिलाया जा सकता। साढ़े चौदह हजार स्कूल ही सही, अगर उनमें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का माहौल बनता है, तो आगे का रास्ता आसान हो सकता है।

कांग्रेस को यह तूफान पहले क्यों नहीं दिखा

देश जब आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है, आजादी के आंदोलन की अगुवा रही कांग्रेस अपने भविष्य ही नहीं, शायद अस्तित्व के संकट से रूबरू है। इस गंभीर संकट से निपटने की कांग्रेस आलाकमान की नीति-रणनीति भी आशा जगाने के बजाय निराशा ही बढ़ाने वाली है। दशकों तक देश पर एकछत्र राज करने वाली कांग्रेस की यह दशा अचानक नहीं हुई। लगातार आती गई कमजोरियों का अहसास तो उसे समय रहते खुद ही हो जाना चाहिए था, लेकिन जब कोई मरीज अपने मर्ज से ही मुंह चुराने लगे तो फिर उसका इलाज कैसे संभव है? अब गुलाम नबी आजाद के पांच पेज के विस्फोटक इस्तीफे के बाद जिस कांग्रेस संकट की चर्चा और चिंता हर ओर हो रही है, उसकी आहट आठ साल पहले ही सुन ली जानी चाहिए थी, जब अपना सर्वाधिक शर्मनाक चुनावी प्रदर्शन करते हुए पार्टी पहली बार 50 से भी कम 44 सीटों पर सिमट गई थी।

हार से उपजी हताशा

2014 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय सत्ता में बीजेपी के आसीन होने के बाद शुरू हुआ कांग्रेस का बुरा वक्त खत्म होता नहीं दिखता। बेशक, चुनावी हार से कांग्रेस पहली बार रूबरू नहीं है।

-1967 में संविद सरकारों के दौर में उसे कुछ राज्यों में सत्ता गंवानी पड़ी थी।

-आपातकाल के बाद 1977 में हुए आम चुनाव में मतदाताओं ने उसे केंद्र की सत्ता से बेदखल कर दिया था।

-केंद्र समेत कई राज्यों की सत्ता से कांग्रेस 1989 और 1996 में भी बेदखल हुई।

इन हारों के बावजूद कांग्रेस में वैसी हताशा कभी नहीं दिखी, जैसी 2014 लोकसभा चुनाव के बाद से नजर आ रही है। 2019 में लगातार दूसरे लोकसभा चुनाव में शर्मनाक प्रदर्शन के बाद तो लग रहा है कि कांग्रेस जड़ हो गई है। देश का सबसे पुराना राजनीतिक दल ऐसे वक्त में भी तीन साल से पूर्णकालिक अध्यक्ष के बिना चल रहा है। आश्चर्य नहीं कि पार्टी और परिवार के प्रति निष्ठावान रहे कांग्रेसी भी अब उससे मुंह मोड़ने लगे हैं।

तात्कालिक लाभ के लिए बार-बार दल बदलने वालों को आप सत्तालोलुप दलबदलू भी कह सकते हैं। अनुभव बताता है कि उनका हश्र बहुत अच्छा नहीं होता। लेकिन अपने दल की दशा और दिशा से हताश होकर पार्टी को अलविदा कहने वालों को अलग श्रेणी में रखा जाना चाहिए। 2014

दशकों तक देश पर एकछत्र राज करने वाली कांग्रेस की यह दशा अचानक नहीं हुई। लगातार आती गई कमजोरियों का अहसास तो उसे समय रहते खुद ही हो जाना चाहिए था, लेकिन जब कोई मरीज अपने मर्ज से ही मुंह चुराने लगे तो फिर उसका इलाज कैसे संभव है?

के बाद से ऐसे कांग्रेसियों ने भी दल बदला है, जो पीढ़ियों से पार्टी और नेहरू परिवार के प्रति निष्ठावान रहे। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एस एम कृष्णा से लेकर जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद तक ऐसे कांग्रेसियों की सूची काफी लंबी है।

सत्ता की मेवा की चाह आजीवन रहती है, लेकिन उम्र के अंतिम पड़ाव पर कोई दूसरा दल कृष्णा या आजाद को ऐसा क्या दे देगा, जो उन्हें कांग्रेस में रहते हुए नहीं मिल पाया? पूर्वोत्तर में बीजेपी के विस्तार में अहम भूमिका निभाने वाले हिमंत बिस्वा सरमा के दलबदल के मूल में तो कांग्रेस आलाकमान द्वारा लगातार अनदेखी रही, लेकिन गुलाम नबी आजाद तो लंबे समय तक आलामान का हिस्सा ही रहे।

बात यह है कि सत्ता में रहते हुए संगठन की कमजोरियां छिपी रहती हैं, लेकिन विपक्ष में आने के बाद इन्हें बेनकाब होते देर नहीं लगती।

-दशकों तक सत्ता में रहते हुए कांग्रेस एक राजनीतिक दल से सत्ता तंत्र में तब्दील हो चुकी थी। उसका असली संकट यही है।

-कार्यकर्ता जनता से कट गए तो नेता कार्यकर्ताओं से और नेतृत्व अपने ही नेताओं से।

-इससे परस्पर अविश्वास की खाई बढ़ी। आजाद ने अपने इस्तीफे में जिस तरह राहुल गांधी पर तीखे प्रहार किए हैं, वैसी ही टिप्पणियां राहुल-प्रियंका की बाबत पार्टी छोड़ते समय कैप्टन अमरेंद्र सिंह ने भी की थीं।

-संकट अभूतपूर्व इसलिए है कि सिर्फ बुजुर्ग ही नहीं, राहुल गांधी की टीम बताए जाने वाले युवा नेता भी तेजी से कांग्रेस से किनारा कर रहे हैं। ज्योतिरादित्य सिंधिया, आरपीएन सिंह, जितिन प्रसाद तो राहुल गांधी की ही टीम के अग्रणी सदस्य थे।

अब कांग्रेस अध्यक्ष की चुनाव प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाने वाले पृथ्वीराज चव्हाण से लेकर आनंद शर्मा तक जो नेता मुखर नजर आ रहे हैं, वे 10 वर्ष के कांग्रेसनीत यूपीए शासन में सरकार और पार्टी के मुख्य रणनीतिकार हुआ करते थे। यह राजनीतिक प्रबंधन पर भी प्रश्नचिह्न है, जिसके लिए कभी कांग्रेस जानी जाती थी।

यह प्रश्न अनुत्तरित है कि क्या 2017 में अध्यक्ष बने राहुल गांधी ने 2019 लोकसभा चुनाव में शर्मनाक हार की नैतिक जिम्मेदारी ले इस्तीफा देकर कांग्रेस का संकट बढ़ाया है, जबकि उनके कार्यकाल में ही पार्टी राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में बीजेपी से सत्ता छीनने में सफल रही थी? यह भी कि मां सोनिया गांधी के अंतरिम अध्यक्ष काल में भी मध्य प्रदेश-राजस्थान-पंजाब में महत्वपूर्ण निर्णय राहुल गांधी ने ही लिए, जिनमें कहीं-कहीं उनकी बहन प्रियंका गांधी भी सक्रिय नजर आईं, जबकि वह उत्तर प्रदेश की प्रभारी महासचिव भर हैं।

संवादहीनता तो दूर हो

हर पीढ़ी के कांग्रेसियों में भविष्य को लेकर जैसी चिंता है और उसके जैसे राजनीतक नतीजे नजर आ रहे हैं, उसका तकाजा है कि कांग्रेस अतीत की आत्ममुग्धता और वर्तमान की जड़ता से उबरकर भविष्य की अग्निपरीक्षा के लिए कमर कसे। इस संकटकाल में भी महंगाई-बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर हल्ला बोल रैली से कांग्रेस जनहित की राजनीति का संदेश देना चाहती है तो उसके वांछित परिणाम के लिए सबसे पहले अपना घर दुरुस्त करना होगा। पहली परीक्षा 17 अक्टूबर को होने वाला कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव होगा। नया अध्यक्ष नेहरू परिवार से ही होगा या उसका कोई विश्वस्त, यह तो 19 अक्टूबर को पता चलेगा, लेकिन ऊपर से नीचे तक फैली संवादहीनता और अविश्वास के संकट से उबरना कांग्रेस के बचने की पहली अनिवार्य शर्त है। यह कांग्रेस की देश के प्रति जिम्मेदारी भी है।

दैनिक पंचांग

08 सितम्बर 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

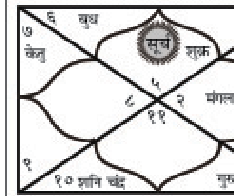

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.26 बजे से
चंद्र	मकर में	तुला	08.37 बजे से
मंगल	वृष में	वृश्चिक	10.52 ब.से
बुध	कन्या में	धनु	13.08 बजे से
गुरु	मीन में	मकर	15.13 बजे से
शुक्र	सिंह में	कुंभ	16.59 बजे से
शनि	मकर में	मीन	18.32 बजे से
राहु	मेष में	मेष	20.03 बजे से
केतु	तुला में	वृष	21.43 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		मिथुन	23.41 बजे से
		कर्क	01.54 बजे से
		सिंह	04.10 बजे से

गुरुवार 2022 वर्ष का 251 वां दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2079 **शक संवत्** 1944
मास भाद्रपद **पक्ष** शुक्ल
तिथि त्रयोदशी 21.03 बजे को समाप्त।
नक्षत्र श्रवण 13.46 बजे को समाप्त।
योग अतिगण्ड 21.40 बजे को समाप्त।
करण कौलव 10.34 बजे तदनन्तर तैतिल 21.04 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 11.7 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 05° 47'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1871365
जूलियन दिन 2459830.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1444
महीना सफर **तारीख** 11
विशेष प्रदोष व्रत, ओणम, विश्व साक्षरता दिवस, माँ वेलांकनी पर्व।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

आपका राशिफल 08 सितम्बर

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ) किसी से कहासुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजनो के सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-2-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-1-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मनोरथ सिद्धि का योग है। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-6-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-4-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू) स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-5-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-7-8

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। स्वविवेक से कार्य करे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-3-5-7

मार्ग-दर्शन

बिना मेहनत का धन संतोष नहीं देता

एक सेठ ने अपने जीवन में खूब धन-संपत्ति अर्जित की। वृद्ध होने पर वह अपने बेटों को व्यापार सौंपकर भगवद् भजन में रम गया। धार्मिक कार्यों में उसने स्वयं को जब समर्पित किया तो परिजनों ने भी उसकी इस भावना का आदर किया। एक दिन सेठ सुबह की पूजा से निवृत्त हो मौन में बैठा था तभी एक व्यक्ति उसके पास आया और नमस्कार कर बोला, 'मेरे पिता रमणीकलालजी और आपके पिता के मध्य प्रगाढ़ मित्रता थी। संकट के दिनों में आपके पिता ने मेरे पिता की बहुत सहायता की। इस कारण मेरे पिता का व्यापार ठीक से जम गया और हमारी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हुई। आपके पिता का यह ऋण तो हम सात जन्मों में भी नहीं उतार सकते, किंतु मैं श्रद्धावश ये एक हजार स्वर्ण मुद्राएं आपके लिए लाया हूं। कृपया इन्हें स्वीकार कीजिए।' चूंकि सेठ उस समय मौन में था, अतः कुछ नहीं बोला। वह व्यक्ति स्वर्ण मुद्राओं की थैली उसके सामने रख हाथ जोड़कर चला गया। मौन समाप्त होने के बाद सेठ ने अपने बेटों को बुलाया और थैली उस व्यक्ति को वापस करने के लिए कहा। बेटे स्वर्ण मुद्राएं लौटाने के पक्ष में नहीं थे। यह देख सेठ भरे गले से बोला, 'बेटा! जिस माया-मोह से मैं विरक्त हो गया हूं, उसे फिर से अपनाना नहीं चाहता। न तुम्हें बिना परिश्रम के प्राप्त ऐसे धन को स्वीकार करने की सलाह दूंगा। मैं चाहता हूं कि तुम लोग अपनी मेहनत की कमाई के बल पर प्रगति करो।' बेटों ने पिता की भावना को समझा और थैली उस व्यक्ति को लौटा दी। परिश्रम की कमाई में अवर्णनीय सुख होता है। बिना मेहनत के प्राप्त धन आलस्य को बढ़ाता है और मन को संतोष भी नहीं देता।

जीने की राह

प्रवास को सफल देने वाली पांच बातें

दुनिया का दायरा खूब बढ़ गया है। पहले गांव, नगर छोटे हुआ करते थे। इसीलिए जीवन में दौड़-भाग इतनी नहीं थी। अब तो महानगरों में काम पर जाने-आने में इतना समय लग जाता है, जितने में हवाई जहाज से एक देश से दूसरे देश में पहुंच जाएं। इसलिए यात्रा और जनसंपर्क आवश्यक अनुष्ठान जैसे हैं। किसी विशेष कार्य के लिए यात्रा करते समय पांच बातों का ध्यान रखिएगा। समय, स्वास्थ्य, उद्देश्य, काम के लोगों की स्पष्ट सूची और ठहरने का स्थान। बातें छोटी हैं, लेकिन यदि साधी जाएं तो प्रवास का परिणाम सफल होगा। पहली बात, हम भारतीयों में समय के मामले में जन्मजात लापरवाही रहती है। जीवन की धारा में समय बड़ा महत्वपूर्ण है। यदि समय चूक जाएं तो जीवन की धारा आगे बढ़ जाएगी और हम वहीं खड़े रह जाएंगे। दूसरी बात, जिन्हें लगातार प्रवास करना हो उन्हें स्वास्थ्य अथवा भोजन के मामले में अत्यधिक सतर्क रहना चाहिए, क्योंकि आप अपने बिगड़े स्वास्थ्य के कारण दूसरों के काम भी बिगाड़ रहे होते हैं। तीसरी बात जिस काम के लिए जा रहे हों, उसका उद्देश्य स्पष्ट रखें। वरना श्रम तो होगा, सृजन नहीं हो पाएगा। चौथी बात, जिनसे भी हमारा संपर्क होने जा रहा है, उनसे पर्सनल टच रखें। भले ही उद्देश्य व्यावसायिक हों, लेकिन आपकी उपस्थिति उन्हें व्यक्तिगत और पर्सनल लगे और अंतिम बात ठहरने के स्थान के मामले में सात्विक बने रहें। ध्यान रखिएगा स्थान का भी अपना महत्व होता है।

लिज ट्रस की परीक्षा शुरू

करीब दो महीने लंबी चुनावी प्रक्रिया के बाद ब्रिटेन की सत्तारूढ़ पार्टी ने लिज ट्रस के रूप में देश का नया प्रधानमंत्री चुन लिया। भारतीय मूल के ऋषि सुनक शुरू में इस पद के प्रबल दावेदार के रूप में उभरे थे, लेकिन समय के साथ वह दौड़ में पीछे होते गए और आखिर में करीब 21 हजार वोटों के अंतर से लिज ट्रस जीत गईं। इसके साथ ही तीन वर्षों का बोरिस जॉनसन का कार्यकाल औपचारिक तौर पर समाप्त हुआ, जो 2019 में उनकी असाधारण जीत के साथ जनता की बढ़ी हुई उम्मीदों के बीच शुरू हुआ था, लेकिन अप्रिय स्कैंडलों और विवादों की याद छोड़ते हुए निराशाजनक ढंग से समाप्त हुआ।

बहरहाल, लिज ट्रस की नई पारी चुनौतियों के बीच शुरू हो रही है। उनके प्रधानमंत्री चुने जाने से चंद दिन पहले ही ब्रिटेन जो दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हुआ करता था, खिसककर छठे नंबर पर आ गया। उसे पीछे छोड़ा है भारत ने, जो एक समय में उसका उपनिवेश हुआ करता था। इस मनोवैज्ञानिक और काफी हद तक सांकेतिक झटके को थोड़ी देर के लिए किनारे कर दें तो भी ब्रिटिश अर्थव्यवस्था कई तरह की चुनौतियों से घिरी है। यूक्रेन युद्ध के कारण देश असाधारण ऊर्जा संकट से गुजर रहा है।

लोगों के बढ़े हुए बिजली बिल एक बड़ा मुद्दा है, जो प्रधानमंत्री चयन की इस प्रक्रिया के दौरान भी छाया रहा। इस प्रक्रिया की एक खास बात यह भी कही जाएगी कि इस दौरान वित्तीय नीति को लेकर भी अच्छी बहस हुई। जहां ऋषि सुनक का कहना था कि टैक्स कटौती जैसे पॉप्युलिस्ट कदम से देश की वित्तीय स्थिति और खराब होगी वहीं, लिज ट्रस का कहना था कि मौजूदा हालात में टैक्स कटौती के जरिए लोगों को राहत देना अत्यंत आवश्यक है। प्रधानमंत्री चुने जाने के बाद अपने पहले भाषण में भी लिज ट्रस ने इस वादे को दोहराते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वह देशवासियों से किए सारे वादे पूरे कर पाएंगी। उनके पास वक्त सिर्फ दो साल का है। लेकिन उन्हें वादे वे सारे पूरे करने हैं जो पिछले चुनावों के दौरान उनकी पार्टी ने किए थे। तभी वह 2024 में पूरे आत्मविश्वास के साथ अपने लिए एक पूरा कार्यकाल मांगने की स्थिति में होंगी।

फिलहाल सबसे पहले उन्हें अपनी एक भरोसेमंद और काबिल टीम बनाकर मंत्रिमंडल का गठन करना है और बुरी तरह बंटी हुई दिख रही कंजर्वेटिव पार्टी के सभी धड़ों को साथ लाना है। जाहिर है, कम समय में उन्हें बेहद कठिन लक्ष्य पूरे करने हैं, लेकिन इतिहास भी ऐसी ही स्थितियों में बनते हैं। लिज ट्रस ब्रिटेन की तीसरी महिला प्रधानमंत्री हैं। टरीसा मे और मार्गरेट थैचर से उनकी तुलना स्वाभाविक है, लेकिन इन खींची हुई लकीरों को वह कितना बड़ा या छोटा साबित करती हैं यह भविष्य में उनके प्रदर्शन से तय होगा।

क्या सोए भालुओं का खून बचाएगा इंसानों को

बहुत से जीव-जंतु सर्दियों में लंबी नींद में चले जाते हैं। इस अवस्था में उनकी शारीरिक क्रियाएं न्यूनतम स्तर पर होती हैं। कुछ मामलों में ऐसे जीव शरीर के तापमान को जीरो डिग्री सेल्सियस तक ले जा सकते हैं और दिल की धड़कन को कम कम कर सकते हैं। ऊर्जा के लिए वे अपने शरीर में जमा वसा के भंडारों का उपयोग करते हैं। इस अवस्था को शीतनिद्रा अथवा हाइबरनेशन कहा जाता है।

भालू का खून: तकनीकी दृष्टि से शीतनिद्रा एक ऐसी अवस्था है जब शरीर का मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है, शरीर को जिंदा रखने वाली तमाम अंदरूनी रासायनिक क्रियाएं धीमी हो जाती हैं। कोई जानवर कब हाइबरनेशन में जाएगा और कब तक उसी में रहेगा- यह अलग-अलग जानवरों की जरूरतों पर निर्भर है। कुछ जानवर साल के कई महीनों तक शिथिल अवस्था में रहते हैं जबकि कुछ अन्य सिर्फ कुछ घंटे के लिए इस अवस्था में प्रवेश करते हैं। एक नई खोज बताती है कि काले भालुओं के खून में कुछ ऐसी चीज होती है जो उन्हें साल में सात महीने हाइबरनेशन में रहने में मदद करती है। आश्चर्यजनक बात यह है कि इतनी लंबी शीतनिद्रा में रहने के बावजूद भालू फिट और स्वस्थ रहते हैं। यह क्या चीज है, वैज्ञानिक अभी यकीनी तौर पर नहीं

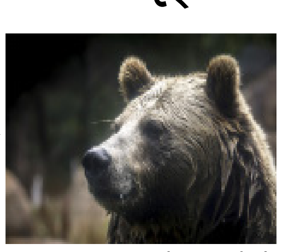

कह सकते। लेकिन नए अध्ययन से इस रहस्य को समझने में मदद जरूर मिली है। अगर हम एक काले भालू की तरह लंबे समय तक निष्क्रिय रहने की कोशिश करते हैं तो शारीरिक गतिविधि की कमी से हमारी मांसपेशियों का क्षय होने लगेगा। हाइबरनेशन में भालू के शरीर में भी किसी तरह की कोई गतिविधि नहीं होती। लेकिन जब वसंत की शुरुआत में एक भालू अपनी मांद से निकलता है, तब वह पूरी तरह से स्वस्थ दिखाई देता है।

भालू से इंसान तक: पिछले कई वर्षों से वैज्ञानिक यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि भालुओं के इस विशेष गुण का असली राज क्या है? अध्ययन से पता चलता है कि भालू के रक्त में विशिष्ट यौगिक होते हैं। वे मानव मांसपेशियों का क्षय रोकने में भी मदद कर सकते हैं। यह विचार अजीबोगरीब लग सकता है। जापान में शोधकर्ताओं ने शीतनिद्रा में लिप्त सात भालुओं से खून का एक सीरम लिया और इसे सीधे मानव अस्थियों की मांसपेशियों की कोशिकाओं से बने ऊतकों में जोड़ दिया। इस प्रयोग के 24 घंटों के भीतर उन्होंने कोशिकाओं की प्रोटीन में वृद्धि देखी। साथ ही, उस प्रोटीन के प्रॉडक्शन में कमी आई जो अप्रयुक्त मांसपेशियों को त्यागने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मगर जब गर्मियों में सक्रिय काले भालुओं से खून लिया गया, तो सीरम ने मानव अस्थियों की मांसपेशियों की कोशिकाओं में प्रोटीन के क्षरण की प्राकृतिक प्रक्रिया को नहीं रोका।

अपाहिज नहीं होगा इंसान: हिरोशिमा यूनिवर्सिटी के फिजियॉलजिस्ट मित्सुनोरी मियाजाकी ने कहा कि शीतनिद्रा वाले भालू के सीरम में मौजूद कुछ फैक्टर मानव अस्थियों की मांसपेशियों की कोशिकाओं में प्रोटीन मेटाबॉलिज्म कंट्रोल कर सकते हैं। हालांकि, इस फैक्टर की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। इसी तरह के अध्ययन अतीत में ब्लैक बेयर सीरम के साथ किए गए थे, लेकिन अभी तक कोई भी सटीक 'फैक्टर' को इंगित करने में कामयाब नहीं हुआ है। वहीं मियाजाकी इसे खोजने के लिए संकल्पबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि शीतनिद्रा वाले भालुओं के खून में इस 'फैक्टर' की पहचान करके इलाज की रणनीति विकसित करना और भविष्य में इंसान को अपाहिज होने से रोकना संभव है।

और भी हैं फायदे: वैज्ञानिक बेहतर चिकित्सा तकनीकों के लिए हाइबरनेशन का उपयोग करना चाहते हैं। मसलन, अगर हमें पता चल जाए कि शीतनिद्रा में लिप्त जीवों की कोशिकाएं किस तरह ठंडा तापमान सहती हैं तो वैज्ञानिक प्रत्यारोपण के इंतजार में रखे मानव अंगों के भंडारण का समय बढ़ा सकते हैं। अभी कार्डियाक अरेस्ट या दिमागी चोट में व्यक्ति के शरीर के तापमान को जानबूझ कर कम करने के लिए 'इंड्यूस्ड हाइपोथर्मिया थेरपी' का प्रयोग किया जाता है। इस थेरपी से मरीजों के मस्तिष्क को सुरक्षित रखने में मदद मिलती है, लेकिन ठंडे तापमान से कोशिकाओं को नुकसान होने की वजह से इस थेरपी के साइड इफेक्ट भी हो सकते हैं।

प्रसंगतः जीवन का रहस्य

राजा सुषेण के मन में कुछ प्रश्न थे, जिनके उत्तर की तलाश में वह एक महात्मा के पास पहुंचे। महात्मा ने कहा, 'अभी मेरे पास समय नहीं है। मुझे अपनी वाटिका बनानी है।' राजा भी उनकी मदद करने में जुट गए। इतने में एक घायल आदमी भागता-भागता आया और गिरकर बेहोश हो गया। महात्मा जी ने उसके घाव पर औषधि लगाई। राजा भी उसकी सेवा में लग गए। जब वह आदमी होश में आया तो राजा को देखकर चौंक उठा। वह राजा से क्षमा मांगने लगा। जब राजा ने इसका कारण पूछा तो उसने बताया कि वह राजा को मारने के इरादे से निकला था, लेकिन सैनिकों ने उसके मंसूबों को भांप लिया और उस पर हमला कर दिया। वह किसी तरह जान बचाकर भागता हुआ इधर पहुंचा है। महात्मा जी के कहने पर राजा ने उसे क्षमा कर दिया। लेकिन तब राजा ने महात्मा से प्रश्न किया, 'मेरे तीन प्रश्न हैं। सबसे उत्तम समय कौन-सा है, सबसे बढ़िया काम कौन सा है और सबसे अच्छा व्यक्ति कौन है।' महात्मा बोले, 'हे राजन, इन तीनों प्रश्नों का उत्तर तो तुमने पा लिया है। फिर भी सुनो। सबसे उत्तम समय है वर्तमान। आज तुमने वर्तमान समय का सदुपयोग करते हुए मेरे काम में हाथ बंटाया और वापस जाने को टाला, जिससे तुम बच गए। अन्यथा वह व्यक्ति बाहर तुम्हारी जान ले सकता था। और जो सामने आ जाए, वही सबसे बढ़िया काम है। आज तुम्हारे सामने बगीचे का कार्य आया और तुम उसमें लग गए। वर्तमान को संवार कर उसका सदुपयोग किया। इसी कर्म ने तुम्हें दुर्घटना से बचाया। और बढ़िया व्यक्ति वह है, जो प्रत्यक्ष हो। उस आदमी के लिए अपने दिल में सद्भाव लाकर तुमने उसकी सेवा की, इससे उसका हृदय परिवर्तित हो गया और तुम्हारे प्रति उसका वैर भाव धुल गया। इस प्रकार तुम्हारे सामने आया व्यक्ति, शास्त्रानुकूल कार्य व वर्तमान समय उत्तम हैं।' जीवन के इस रहस्य को जान कर राजा महात्मा के सामने नतमस्तक हो गए।

आर एन आई (टी सी) नं- JHAHIN01027,स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक डॉ सिकन्दर कुमार द्वारा माँ भवानी आर्ट भागलपुर रोड नीयर सिनेमा हॉल दुधानी दुमका से मुद्रित एवं झारखण्ड देखो कार्यालय मजिस्ट्रेट कॉलोनी बंदरजोरी, दुमका से प्रकाशित, प्रधान संपादक डॉ सिकन्दर कुमार, मोबाइल नं-9955599136(इस अंक में प्रकाशित समाचारों का चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी)

पराई चीज

एक रात सर्कस देखने गए राहुल को रुपयों से भरा पर्स मिला, जिससे चॉकलेट और न जाने क्या-क्या खरीदा जा सकता था...।

शहर में हर वर्ष की तरह इस बार भी सर्कस लगा। राहुल और गौरव सपरिवार सर्कस देखने पहुंचे। सभी सर्कस का आनंद लेने के बाद घर के लिए निकले तभी राहुल को एक पर्स गेट के पास पड़ा मिला, जिसे उसने जेब में रख लिया। राहुल ने घर आकर पर्स देखा, उसमें पांच-पांच सौ के तीन नोट, सौसौ के दो नोट, पचास का एक और कुछ चिल्लर भी था। साथ ही पर्स के मालिक का पहचान पत्र भी था।

'वाह, इतने पैसे...! इनसे तो कई महीने ऐश की जा सकती है।' राहुल ने सोचा।'

'इनसे ढेर सारी चॉकलेट लूंगा। खुद तो खाऊंगा दोस्तों को भी दूंगा तो अपनी धाक जमेगी।' फिर सोचने लगा, 'पर इसे छुपाकर रखूं कहां?'

राहुल असंमजस में पड़ गया। सोच विचार करके आखिर उसने पर्स को अपने सिरहाने के नीचे रख लिया, पर उसे रात भर नींद नहीं आई।

उसके दिल से आवाज सुनाई दी, 'अगर इस पर्स की जगह पापा का पर्स होता तो? वह कितने परेशान होते? ऐसे ही वो भी अंकल परेशान हो रहे होंगे।'

रातभर इस उधेड़बुन में वह सो न सका। सुबह होते ही मम्मी के पास गया और बोला, 'मम्मी, मैं आप से एक बात कहना चाहता हूं।'

'बोलो बेटा।' मम्मी ने कहा।

'मुझे सारी रात नींद नहीं आई मम्मी। रात में सर्कस से आते हुए मुझे एक पर्स मिला, जिसे मैंने उठाकर रख लिया है।'

'फिर ?'

'पर्स में बहुत सारे पैसे हैं। पहले तो उन पैसों को खुद पर खर्च करने का सोचा था, पर रातभर नींद नहीं आई। आप ही रखिए इसे।'

इतनी बात कह कर राहुल ने पर्स मम्मी को थमा दिया।

मम्मी ने पर्स खोल कर देखा। रुपये और अन्य कागजात थे उसमें।

मम्मी ने उसे कहा, 'बेटा, ये आपके पैसे नहीं थे न, इसलिए आपको नींद नहीं आई। ये पैसे हैं बलकार सिंह, ओहदा क्लर्क, निवासी....।'

'मम्मी, मैं चाहता हूं कि हम इस व्यक्ति को पर्स देने के लिए उन्हें घर पर बुलाएं।'

'नहीं, नहीं। मैं और पापा दे आएंगे।'

'ठीक है।' कहकर राहुल अपने कमरे में पढ़ने के लिए चला गया। पर उसका मन पढ़ने में नहीं लग रहा था, तो बोला 'मम्मी, पापा तो अभी दो घंटे के बाद आएंगे। चलो हम दोनों दे आते हैं न पर्स।'

'अच्छा, चलो चलते हैं। बात भी सही है, वे लोग परेशान भी हो रहे होंगे।'

कुछ ही देर में वो लोग पर्स वाले व्यक्ति के घर पहुंच गए। डोर बैल बजाने पर जिस व्यक्ति ने दरवाजा खोला, वह वही पर्स वाला व्यक्ति ही था। राहुल और मम्मी ने उसे झट पहचान लिया।

उस व्यक्ति ने राहुल और उसकी मम्मी को बड़े आदर के साथ डायनिंग हॉल में बैठाया। उनसे परिचय करने को ही हुआ था कि राहुल ने झट से पूछ लिया, 'अंकल जी, आपका कुछ गुम तो नहीं हुआ?'

'मेरा?...हां हां। कल मेरा पर्स कहीं गिर गया। काफी खोजने पर भी नहीं मिला। उसमें रुपयों के अलावा मेरे कुछ जरुरी कागजात थे।'

राहुल ने झट अपनी जेब से पर्स निकाला। उनको थमाता हुआ बोला, 'कहीं यही तो नहीं है आपका पर्स ?''

वो सज्जन खुशी से उछल पड़े, 'अरे वाह वाह। यही है। धन्यवाद बेटा। कहां से मिला था आपको यह?'

राहुल और उसकी मम्मी ने सब कुछ बताया।

'बेटा, आज के जमाने में तुम्हारे जैसे ईमानदार बच्चे भी हैं। ये लो पांच सौ रुपए। तुम्हारा इनाम।''

'अंकल जी, माफ मरना। इन रुपयों पर मेरा कोई हक नहीं है। चाहता तो मैं ये पूरा पर्स ही आपको न लौटाता, लेकिन मुझे इस तरह मिले रुपयों की ारूरत नहीं है। मुझे बहुत खुशी हो रही है कि आप का पर्स आपके पास आ गया है।'

उस आदमी ने राहुल को प्यार से गले लगा लिया और अपने घर से एक सुंदर तोहफा देकर उसे विदा किया। घर आते समय राहुल को बड़ा अच्छा महसूस हो रहा था, मानों कितना भारी बोझ उसके सिर से उतर गया हो।

शाम को पापा घर आए। उन्हें सारी बात बताई। पापा ने राहुल को शाबाशी दी और बोले, 'पराई चीज मन का चैन खो देती है। तुमने अंकल को उनका पर्स लौटा कर अच्छा किया है।'

उस रात राहुल को बहुत अच्छी नींद आई।

कविता

फोन की घंटी

ट्रिन-ट्रिन-ट्रिन-ट्रिन बज गई घंटी,
सुन कर दौड़ के आया बन्टी।

फोन उठा कर बोला हैलो,
आओ मेरे संग में खेलो।

आगे थे पापा के बॉस,
करनी थी कुछ बातें खास।

बॉस तो पूरे गुस्से में थे,
उनको तो बस लड़ना ही था।

पर जब सुना बंटी को ऐसे,
भाग गया सब गुस्सा जैसे।

बोला, बेटा तुम आ जाओ,
पापा को भी साथ में लाओ।

हम तीनों मिलकर खेलेंगे,
तुमको आइसक्रीम भी देंगे।

खुश हो गए सारे ही सुनकर,
बंटी खुश अंकल से मिलकर।

अंतर ढूढो

यहां आपको एक जैसी दो तस्वीरें दिखाई दे रही हैं। पहली बार देखने में तो आपको अंतर समझ में नहीं आएगा, लेकिन जरा गौर से देखने पर आपको आठ अंतर दिखाई देंगे। तो जमाइए नजरें और खोज निकालिए वे आठ अंतर...

जाने ये भी

बताओ तो जाने!

1. ब्लैकबेरी फोन की निर्माता कंपनी कौन-सी है?
2. आइसक्रीम कैपिटल ऑफ इंडिया भारत के किस शहर को कहते हैं?
3. रमन मैग्सेसे अवार्ड पाने वाले प्रथम भारतीय कौन थे?
4. सांप सूंघने के लिए अपने शरीर के किस भाग की मदद लेते हैं?
5. भारतीय रेल में प्रथम पूर्णतया ए.सी ट्रेन कौन सी चली थी?
6. भारत रत्न से सम्मानित प्रथम व्यक्ति कौन थे?
7. सबसे ज्यादा टेस्ट मैच खेलने वाले खिलाड़ी का नाम बताएं।
8. पीपली लाइव फिल्म के निर्देशक का नाम बताएं।
9. पहली भारतीय महिला कैबिनेट मंत्री कौन थी?
10. टी.वी. पर प्रसारित होने वाले प्रथम भारतीय सोप ओपेरा कौन-सा है?
11. भारत में पहली जनगणना कब की गई थी?
12. चंदौली नेशनल पार्क किस राज्य में स्थित है?
13. भारत में वन संरक्षण अधिनियम कब लागू किया गया था?
14. वर्ल्ड ह्यूमन राइट्स कांउसिल का मुख्यालय कहां है?
15. राज्यसभा में पहली बार किस न्यायाधीश के विरूद्ध महाभियोग प्रस्ताव पारित हुआ?

उत्तर-1.रिम (reasearch in motion) RIM 2.अहमदाबाद 3. विनोबा भावे 4. जीभ 5. राजधानी एक्सप्रेस 6. सी.राजगोपालाचारी 7. सचिन तेंदुलकर 8. अनुषा रिजवी 9. राजकुमारी अमृत कौर 10. हम लोग 11. 1872 में 12. महाराष्ट्र 13. वर्ष 1980 14. जिनेवा 15. सौमित्र सेन

क्यों आता है तूफान

जब नमी से भरी हुई ढेर-सी गर्म हवा तेजी से ऊपर की ओर उठती है तब तूफान आते हैं। तुमने तूफान की शुरुआत से पहले हवा को तेज होते हुए देखा होगा। जब बादल को बड़े होते जाते हैं और गहरे होते हुए आसमान में अंधेरा छाने लगता है। ये तूफान के लक्षण हैं। बादलों के अंदर पानी के कण तेजी से घूमते हैं और आपस में टकराते हैं, जिससे बिजली पैदा होती है। बिजली पैदा होने का काम तब-तक चलता रहता है जब तक वह बड़ी-सी चिंगारी बनकर एक बादल से दूसरे बादल तक होती हुई धरती तक जोरदार चमक बन कर कौंध नहीं जाती।

तेनालीराम का हिस्सा

तेनालीराम अपनी हाजिरजवाबी के लिए जाने जाते हैं। ऐसा ही एक और किस्सा है तेनालीराम के पिटारे से...तो पढ़िए जरा क्या है पूरा माजरा!

विजय नगर के राजा कृष्णदेवराय जब युद्ध में विजयी होकर लौटे तो उन्होंने सभी दरबारियों को एक शानदार दावत दी और महल के एक कोने में नाना प्रकार के उपहारों का ढेर लगा दिया। उन्होंने दरबारियों से कहा कि दावत के बाद उपहारों के ढेर में से जिसको जो चीज पसंद आए, ले जाए।

दरबारियों ने राजा की आज्ञा का पालन किया। इत्तफाक से उस दिन तेनालीराम दारबार में विलंब से उपस्थित हुए। उपहार भी लगभग समाप्त हो चुके थे। मात्र चंदी की एक तश्तरी बची थी।

दरबार में उपस्थित होकर तेनालीराम ने देर से पहुंचने के लिए राजा से क्षमा मांगी और दावत उड़ाने लगा। जब दावत खा चुका तब दरबारियों में से एक ने तश्तरी की ओर इशारा करते हुए व्यंग्यात्मक लहजे में तेनालीराम से कहा, यह तुम्हारा हिस्सा है। तेनालीराम ने वह तश्तरी उठा ली और अपने अंगरखे में छिपा ली। राजा ने तेनालीराम को ऐसा करते देखकर पूछा, तेनाली! तुमने यह तश्तरी अंगरखे में क्यों छिपा ली? सबकी तरह तुम भी इस उपहार को खुले में लेकर जाओ।

इस पर चतुर तेनालीराम ने कहा, महाराज! आज तक मैं दरबार से थाली भरकर उपहार लेकर जाता रहा हूं। लेकिन इस तश्तरी को खाली ले जाते वक्त मुझे आपकी इज्जत का ख्याल रहेगा। क्योंकि लोग कहेंगे कि तेनालीराम को राजा ने एक तश्तरी दी और वह भी खाली। इसीलिए मैंने इसे मैंने इसे अपने अंगरखे में छिपा लिया है।

तेनालीराम की बुद्धिमत्ता से राजा कृष्णदेवराय बहुत प्रसन्न हुए और अपने गले में पड़ा मुक्ताहार उतारकर उसकी तश्तरी में डाल दिया।

चुटकुले

ग्राहक- एक किलो गाय का दूध देना।

दुकानदार- अरे, तुम्हारा बर्तन तो बहुत छोटा है।

ग्राहक- ठीक है, तो बकरी का ही दे दो।

अध्यापक ने राजू की कॉपी चैक करने के बाद पूछा-तुमने होमवर्क क्यों नहीं किया?

राजू ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया- क्योंकि मैं हॉस्टल में रहता हूं।

विदेश यात्रा से लौटकर आए मयंक ने अपने दोस्त से पूछा- यार, क्या मैं विदेशी जैसा दिखता हूं?

दोस्त- नहीं तो!

मयंक- तो फिर लन्दन में लोग क्यों पूछ रहे थे कि मैं विदेशी हूं या नहीं?

डॉक्टर(चिंटू से)- किसके लिए चश्मा बनवाना चाहते हो?

चिंटू- मास्टर जी के लिए। मैं उन्हें गधा दिखाई देता हूं।

पिता (पुत्र से)- क्या तुमने कभी नींद में कोई ऐसा काम किया है, जिससे मेरा सिर ऊंचा हुआ हो?

पुत्र- याद करके, हां पापा एक बार मैंने आपके सिर के नीचे 3 तकिए रखे थे।

अध्यापक(छात्र से)- पूरा सिलेबस याद है?

छात्र- मैडम, मैं जैसे ही पढ़ने बैठा तो लाइट चली गई, बाद में मैं इस डर से पढ़ने नहीं बैठा की कहीं मेरी वजह से फिर लाइट न चली जाए।

मां (बेटे से)- उठ जा कम्बख्त देख सूरज कब का निकल आया है।

बेटा (मां से)- तो क्या हुआ मां, वो सोता भी तो मुझ से पहले है।

रंग भरो

हैलो दोस्तो, मैं हूं एन्ड्रीलिना। मैं अपने घर का सारा काम करती हूं और वो भी फटाफट। तीन टी-सेट को एक साथ पकड़ सकती हूं। रंगों के बिना ये जरा जंच नहीं रहे। आप रंग भर कर तो देखिए...

बढ़ते बच्चे और आप

उस दिन मैं अपनी सहेली से मिलने उसके घर गई हुई थी। हम गपशप कर ही रहे थे कि हमारे पास बैठा उसका 14 साल का बेटा कुछ सवाल पूछने लगा जिनका जवाब मेरी सहेली ठीक से नहीं दे पा रही थी। वह कहने लगी कि ये अपने दोस्तों की संगत में बुरी बातें सीख रहा है। मैंने उसे समझाया कि तुम गलत हो, तुम्हारा बेटा उम्र के उस मोड़ पर खड़ा है जिसमें उसमें शारीरिक परिवर्तन होना संभावित है। इसकी जानकारी तुम्हें स्वयं अपने बेटे को देनी चाहिए। यह बहुत आवश्यक विषय है जिस पर ध्यान देना हम अक्सर भूल जाते हैं। आइए जानें, क्या करें-

बढ़ते बच्चों को समझें :

बढ़ती उम्र में बच्चों के लिए दोस्त ही सब कुछ होते हैं और वे अक्सर शारीरिक-मानसिक बदलावों के बारे में अधपका ज्ञान एक-दूसरे से शेयर करते हैं। ऐसे समय में माता-पिता ही बच्चों को बता सकते हैं कि क्या गलत है, क्या सही है। जब इस उम्र में बच्चा स्कूल से घर आता है तो घर में किसी बड़े का होना जरूरी है, जो उससे स्कूल की बातें शेयर करे, अच्छे कार्य के लिए प्रोत्साहित करे और गलत चीज का एकदम विरोध न करे, न ही डाँटे। धीरे-धीरे अपने विश्वास में लेकर उन्हें क्या नहीं करना चाहिए, इसके बारे में समझाएँ?

रिश्तों की सीमा व अहमियत :

बढ़ती उम्र में बच्चों का वास्ता स्कूल, परिवार, दोस्त, ट्यूशन के साथी, टीचर और खेल के मैदान के साथी आदि कई लोगों से पड़ता है। आप उन्हें सही व गलत रिश्ते की पहचान बताएँ। उन्हें समझाएँ कि जिंदगी के सफर में नए रिश्ते बनते जाएँगे, पुराने छूटते जाएँगे, किसी से स्थायी संबंध बनाने के लिए बहुत समझदारी से प्रयास करना पड़ता है।

अच्छे-बुरे अनुभव शेयर करें :

माता-पिता को अपनी जिंदगी के अच्छे-बुरे अनुभव बच्चों के साथ बाँटने चाहिए जिससे बच्चों को कुछ सीखने की प्रेरणा मिलेगी। साथ ही माता-पिता अपनी लाड़ली बिटिया व लाड़ले बेटे से स्कूल व दोस्तों के साथ घटित खास अनुभव के बारे में भी पूछ सकते हैं। इससे आपको उनके मन में क्या चल रहा है और उनके किस तरह के दोस्त हैं, इसकी जानकारी मिल सकती है।

प्यार के सही मायने बताएँ :

बढ़ते बच्चों पर अक्सर टीवी व फिल्मों का गहरा प्रभाव होता है, यह उम्र ही ऐसी होती है। उनको इस बात का अहसास दिलाना होगा कि प्यार विपरीत लिंग के अलावा माँ-बाप, भाई-बहन से भी होता है। उनको प्यार से समझाना होगा कि बढ़ती उम्र में तुम जो प्यार का मतलब निकाल रहे हो वह तो सिर्फ शारीरिक आकर्षण है, स्थायी प्यार नहीं। यहीं से दोनों के बीच असल समझदारी व सामंजस्य की शुरुआत होती है। यदि आप अपनी बात को बच्चे को ठीक से समझा नहीं पाए और उस पर कोई नियम लादने पर अड़े रहे तो परेशानी आ सकती है। इस उम्र में बच्चे अपनी मर्जी से जीना चाहते हैं और वे माँ-बाप के नियंत्रण को बर्दाश्त नहीं कर पाते हैं।

दोस्ताना व्यवहार रखें :

अगर माता-पिता अपने बच्चों के साथ एक दोस्त की तरह व्यवहार करेंगे तो वे आपको अपनी ज्यादातर बातें बताएँगे। यदि आप उसे डाँटेंगे या उसकी हर बात का विरोध करेंगे तो वे आपसे अपनी बातें या विचार कभी शेयर नहीं करेंगे। यह भी याद रखें कि इस दोस्ताना व्यवहार की भी अपनी हदें हों।

बिटिया और आप :

आपको पता ही नहीं चला कि जो नन्ही-सी गुड़िया कल तक आपका आँचल पकड़कर चलती थी, वह जाने कब बड़ी हो गई। माँ की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका होती है। माँ का कर्तव्य है कि वह अपनी बेटी को उम्र के अलग-अलग मोड़ पर किस तरह से व्यवहार करना है, यह सिखाएँ। सही व गलत व्यक्ति की पहचान बताएँ। हर व्यक्ति से कैसे व्यवहार करना है, इसका ज्ञान दें। जिंदगी की किताब का यह पाठ एक माँ ही अपनी बढ़ती उम्र की बेटी को बेहतर ढंग से पढ़ा सकती है।

ये बातें भी हैं जरूरी :

यदि आपका बच्चा 14 साल से ऊपर की उम्र का है तो आप उसे बातों ही बातों में शारीरिक बदलाव के बारे में जानकारी देते हुए समझा सकती हैं। यहीं से बच्चे के जीवन का प्रवेश द्वार शुरू होता है। शारीरिक व मानसिक परिवर्तनों, उनसे जुड़ी समस्याओं के बारे में जरूर बताएँ। इसके लिए आप अच्छी किताबों, डॉक्टर और काउंसलर की मदद भी ले सकती हैं। ये सारी प्राकृतिक प्रक्रियाएँ हैं। इनका हौवा बनाने या इन्हें छुपाने की बजाए समझदारी से मार्गदर्शन दें।

बच्चों को बताएँ कि आधुनिक बनना जरूरी है, स्वतंत्रता भी जरूरी है। पुरानी गलत मान्यताओं व रूढ़ियों का विरोध करना भी जरूरी है लेकिन यह सब एक सीमा में रहकर करना होगा। बढ़ती उम्र के बच्चों को सही मार्गदर्शन व प्यार जरूरी है, जो उन्हें माँ-बाप ही दे सकते हैं। बस, इसी बात को हमेशा ध्यान में रखें और बच्चों से पक्की दोस्ती कर लें।

डिलीशियस ग्रीन ग्राम

सामग्री: 250 ग्राम हरे चने (छोड़), 4 कद्दूकस की हुई गाजर, 1 कटा प्याज, 3 कटी हरी मिर्च, 1 नीबू का रस, नमक स्वादानुसार, चुटकी भर हींग, 1/2 चम्मच जीरा, 1 चम्मच तेल, 50 ग्राम पनीर।

विधि: गरम तेल में हींग, जीरा डालकर प्याज और हरी मिर्च भूनें। अब इसमें कसी गाजर, हरे चने और नमक डालें। ढँककर 5 मिनट धीमी आँच पर पकाएँ। जब चने गल जाएँ तो नीबू का रस, हरा धनिया डालकर अच्छी तरह चलाएँ। ऊपर से किसा पनीर डालकर सजाएँ और सर्व करें।

दीवारों को जब सजाना हो

किस कमरे की दीवार को कौन सा रंग देना है, यह निर्णय करना मुश्किल काम है। रंग आपके मूड और पसंद को रिफ्लेक्ट करते हैं। अगर रंगों का चुनाव करने में कन्फ्यूज्ड हो रही हैं तो दीवार के एक कोने या फिर किसी बेकार आर्ट पीस को अलग-अलग कलर देकर देखें। अलग-अलग रोशनी में ये रंग कैसे रिफ्लेक्ट होते हैं।

अगर किसी दीवार के ऊपर और नीचे दो रंग देना चाहते हैं तो हमेशा गहरा रंग से नीचे की और हल्के से ऊपर की दीवार कलर करें। हल्का रंग कमरे पर छाएगा और गहरा रंग ग्राउंडिंग इफेक्ट देगा। दीवार और सीलिंग में एक ही कलर के दो शेड्स, एक हल्का और दूसरा गहरा लें। सीलिंग पर गहरे और दीवारों पर हल्के शेड्स लगायें। गहरा रंग कमरे को कोज़ी लुक देता है, जबकि हल्के शेड्स कमरे में रोशनी और खुलापन लाते हैं।

पेंट इफेक्ट्स पेंट में नये-नये प्रयोग से घबरायें नहीं। आप अपनी दीवार को कई तरह के इफेक्ट्स दे सकते हैं। जरूरी नहीं है कि हर दीवार को एक ही रंग से पेंट करें। आप कलर ब्लॉकिंग, स्टेंनिसल, कलर वॉशिंग के जरिये दीवार को नया रूप दें। यही नहीं, आप एक ही दीवार को अलग-अलग रंग से भी रंग सकती हैं। जैसे एक बार दीवार को फ्लैट पेंट करें और फिर दूसरे रंग से उस पर स्टेंसिल इफेक्ट दें।

फिनिशिंग पर ध्यान दिये बिना बेहतर फिनिशिंग से दीवार निखर कर नहीं आएगा। फ्लैट मैट फिनिश दीवारों से रोशनी को रिफ्लेक्ट नहीं कराती है। सैटन और एग शेल से दीवार को हल्की शाइनिंग मिलती है और दीवार की सफाई आसान हो जाती है। सेमी ग्लॉस एंड ग्लॉसी ये दीवार पर शाइनिंग इफेक्ट देते हैं।

पेंट की मात्रा दीवार पेंट करने से पहले उसकी लंबाई और चौड़ाई नाप लें और फिर उन्हें गुना कर दीवार का कुल एरिया निकाल लें।

साथ ही दरवाजे का भी एरिया निकाल लें और फिर कमरे के एरिया से दरवाजे का एरिया घटा दें। यही वह एरिया है, जहां आपको पेंट करना है।

पेंटिंग शुरू करने से पहले सारा सामान बाहर निकाल दें। जो सामान कमरे से नहीं हटा सकती, उन्हें पुराने चादर से ढंक दें।

टेप का प्रयोग थोड़ा मेहनत और समय लेने वाला काम है, लेकिन उपयोगी है। पेंटर टेप लें और फिर सीलिंग, दरवाजे, खिड़कियों के किनारों पर लंबाई-चौड़ाई के हिसाब से चिपका दें। अब दीवारों को पेंट करें और फिर टेप को निकाल दें। इससे किनारों पर बेहतर फिनिशिंग मिलेगी।

पेंट करने का तरीका - हमेशा पेंट को सबसे ऊंचाई से नीचे की तरफपेंट करें। इससे ब्रश को आपके हाथों का पूरा ग्रिप मिलता है और पेंट बराबर तरीके से लगता है।

पेंट की कोटिंग- हमेशा गाढ़ी कोटिंग की जगह पतली कोटिंग बेहतर होती है। साथ ही, कभी भी ब्रश को पेंट में बहुत ज्यादा न डुबोयें। ब्रश या रोलर को पेंट में हल्का डुबोयें, फिर उससे अच्छी तरह से पेंट करें। पेंट के सूख जाने के बाद ही उस पर दूसरी कोटिंग करें।

डिजाइनिंग में ज्यादा पेंट की जरूरत नहीं पड़ती इसलिए इसे आखिर में करायें। इस दौरान आप इसके इफेक्ट का अंदाजा भी बेहतर लगा सकती हैं।

घर की दीवारों को पेंट करना अब टेढ़ी खीर नहीं रह गई है। बाजार में अब बेहतर क्वालिटी के पेंट उपलब्ध हैं, जिन्हें आसानी से दीवारों पर लगाया जा सकता है। ये घर को कम गंदा भी करते हैं, तो फिर अगर आप अपने घर को पेंट करने की सोच रही हैं तो बाहर से पेंटर को बुलाने की बजाए इस बार ये काम खुद करके देखिए। यकीन मानिए, यह इतना मुश्किल काम नहीं है, जितना आप इसे अब तक मानती आयी हैं। यहां घर पेंट करने के कुछ टिप्स हम बता रहे हैं, इन्हें आजमाएं और अपने घर को अपने सपनों का रंग दें।

काम की बातें अच्छी तरह जानें

- अखरोट, बादाम आदि सूखे मेवे जिन पर कड़क छिलके होते हैं, उन्हें फोड़ते समय अंदर का मेवा भी टूट जाता है इसके लिए अखरोट आदि को रात में पानी में भिगो कर रखें व सवेरे फोड़ें, अंदर का मेवा टूटेगा नहीं।
- तुराई छिलने के बाद जो नरम छिलके हों उन्हें फैंकें मत। उसमें मसाला जालकर पीस कर चटनी बना लें या उन्हें पीस कर भरवां सब्जी में मिला दें। इससे मसाला गाढ़ा बनेगा व पौष्टिक तत्व नष्ट नहीं होंगे।
- अगर आप सब्जियों में नए-नए स्वाद आजमाना चाहती हैं तो भिन्न-भिन्न तेल जैसे सरसों, राई, नारियल आदि के तेल में सब्जी बघारें। इससे सब्जी में नया स्वाद आएगा। आप चाहें तो इन तेलों में आधा अपना रोजाना उपयोग में लाया जाने वाला तेल भी मिला सकती हैं।
- नूडल्स उबालने के बाद तुरंत छलनी में डालें व छलनी पर 2-3 गिलास ठंडा पानी डालें इससे नूजल्स खुले-खुले होंगे।
- फ्रिज हमेशा स्टैंड पर रखें इससे नीचे से हवा लगने पर फ्रिज ज्यादा अच्छी तरह से कार्य करेगा।
- चाय बनाते समय जब चाय उबल रही हो तो 2-3 पत्ते पुदीना या संतरे का एक छिलका डालें इससे चाय सुगंधित होगी।

हेल्थ प्लस

माहवारी पूर्व तनाव, लक्षण एवं उपचार

मसिक धर्म की स्थिति सभी नारियों के साथ अलग-अलग होती है। इस विविधता के अलावा इनमें मासिक धर्म के पूर्व तनाव एवं तकनीक की स्थिति भी पृथक-पृथक होती है किन्तु अधिकतर नारियां उन दिनों से पहले अर्थात मासिक रक्तस्त्राव आरम्भ होने से पूर्व तनाव व तकलीफ से गुजरती हैं।

यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें महिलाओं को माहवारी शुरू होने के 5-6 दिन पहले से पेट के निचले व श्रोणि भाग में भारीपन, पूरे शरीर पर सूजन, अपचन, बार-बार पेशाब आना, स्तन में भारीपन और दर्द, मानसिक तनाव, उदासीनता, अति संवेदनशीलता आदि लक्षण होते हैं।

यह स्थिति शहरी जीवन बिताने वाली महिलाओं में ज्यादा पाई जाती है। इसका कारण अज्ञात है फिर भी निम्न कारणों की संभावना हो सकती हैं। यह मनोवैज्ञानिक, हार्मोंस की गड़बड़ी, विटामिन्स की कमी के कारण एवं उसके प्रभाव से उत्पन्न होती है। यह तकलीफ कई तरह की होती है जिसका उपचार भी अलहदा होता है।

माहवारी : भारत गर्म देश माना जाता है अतएव यहां की लड़कियों को 11 से 13 वर्ष की आयु में माहवारी आरम्भ हो जाती है। यह माहवारी उसकी स्त्रियोचित विशेषता है जो रजोदर्शन से लेकर रजोनिवृत्ति तक चलती रहती है।

माहवारी, मासिक धर्म के समय होने वाला रक्तस्त्राव सभी को अलग-अलग चक्र के अनुसार होता है। इसका अंतराल, रक्त की मात्रा, रक्तस्त्राव की अवधि सभी में पृथक होती है। सभी को माहवारी के मसय एवं उसके पूर्व तनाव, तकलीफ एवं परेशानी की स्थिति से जूढना पड़ता है। मासिक धर्म के पूर्व तनाव को डाक्टरी शब्दों में प्री-मैंस्ट्रू अल सिंड्रोम (पी.एम.एस.) कहते हैं।

मूड में बदलाव : मूड में तेजी के साथ बदलाव होने पर तनाव, चिड़चिड़ापन, अनिद्रा की शिकायत होती है। यह शरीर में ऑक्सीजन की कमी से होता है। अतएव गहरी सांस लें एवं छोड़ें। इससे कार्बन डाईऑक्साइड का स्तर कम होगा एवं शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़े गी। इस तरह की परेशानी से जूझ रही महिलाएं माहवारी के पूर्व कैफनी, चाकलेट व चीनी की मात्रा कम कर दें। हल्का व्यायाम करें.

्वसाद : पी.एम.एस. की अवसादग्रस्त महिला पर उदासी, अरूचि, अकेलापन हावी हो जाता है। उसका मन रोने को करता है। ऐसी महिलाएं माहवारी से पूर्व हल्का व्यायाम करना आरंभ क दें जिससे हार्मोन का स्त्राव होता है जो दिमाग व शरीर को दुरूस्त रखता है। शर्करा स्तर सुधरता है। मूड में सुधार होता है। कॉफी, तली भूनी, मसालेदार चीजों से बचें। दही व फलियां खाएं।

गुस्सा : पी.एम.एस. से गुस्से की शिकार महिला की नांद अव्यवस्थित हो जाती है। कुछ खाने की तीव्र इच्छा होती है। इन्हें थोड़ा-थोड़ा करके 4-5 बार भोजन करना चाहिए जिसमें दाल व शक्कर की मात्रा कम हो। एक ही बार ज्यादा खाने से बचें।

पाचन की खराबी : माहवारी के पूर्व कई महिलाएं पेट की खराबी के कारण अपच, कब्ज, दस्त, थकान, उनींदेपन आदि की स्थिति से गुजरती हैं। ऐसी महिलाएं सुपाच्य भोजन करें। भरपूर पानी पिएं।

शरीर फूल जाना : माहवारी के पूर्व कई महिलाओं का शरीर फूल जाता है। स्तनों में कठोरता आ जाती है, पेड़ू, कमर, पीठ व सिर में दर्द होता है। इन्हें माहवारी से पूर्व नमक व ठंडी चीजें कम खानी चाहिएं।

निष्कर्ष : माहवारी के पूर्व तनाव, तकलीफ, परेशानी से अमूनन हर स्त्री को गुजरना पड़ता है लेकिन यदि यह आपके लिए असहयनीय हो और दैनिक जीनव को प्रभावित करे, तब महिला रोग विशेषज्ञ से मिलकर सलाह लें। भोजन को सदैव हल्का, सुपाच्य, ताजा, पौष्टिक व सीमित रखें। श्रम जारी रखें।

दर्द निवारक औषधि जायफल

देसी औषधियों में जायफल काफी प्रसिद्ध है। यह गोलाकार, अंडाकार और चिकना होता है। यह जितने बड़े आकार का होता है, उतना अच्छा माना जाता है। यह भारत के हर गांव, शहर के पंसारी की दुकान पर मिल जाता है। इसके छिलके को ही जावित्री कहते हैं। जायफल का तेल अत्यंत उत्थेजक होता है।

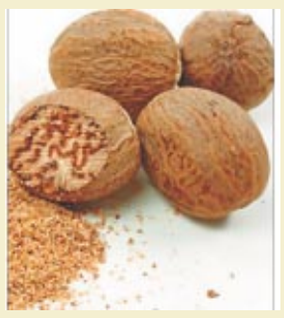

- सर्दी-जुकाम से होने वाले सिर दर्द में दूध में जायफल घिस कर माथे पर लेप लगाने से आराम मिलता है।
- जायफल का चूर्ण सुबह-शाम लेने से पेट दर्द में लाभ होता है।
- जायफल को देसी घी में मिला कर पलकों पर लेप करने से अनिद्रा रोग दूर होता है।
- जायफल को घिस कर एक कप पानी में घोल कर पीने से जी मिचलाना बंद होता है।
- जायफल को पानी में घिस कर आधा चम्मच लेप एक गिलास पानी में घोल कर गरारे और कुल्ले करने से मुंह छाले मिटते हैं, बैठा हुआ गला खुल जाता है।
- एक ग्राम जायफल का चूर्ण, शहद में मिला कर सुबह-शाम जाटने से पाचनशक्ति तेज होती है।
- तुलसी के पत्ते के साथ जायफल के टुकड़े चबाने से हिचकी शीघ्र बंद हो जाती है।
- बड़ी उम्र के स्त्री-पुरूषों को अतिसार होने पर एक ग्राम जायफल का चूर्ण आधा कप पानी के साथ सुबह-शाम लेने से लाभ होता है।
- एक गिलास दूध में आधा ग्राम जायफल का चूर्ण मिला कर पीने से सर्दी-जुकाम तथा सर्दी से होने वाली बीमारियां दूर होती हैं।
- सभी प्रकार के दर्द में जायफल को सरसों के तेल में मिला कर मालिश करने से दर्द में आराम मिलता

ऊंची एड़ी के सैंडिल कम पहनें

विशेषज्ञों के अनुसार ऊंची एड़ी के सैंडल बेशक आपके व्यक्तित्व में चार-चांद लगाते हों पर स्वास्थ्य की दृष्टि से ये बहुत नुक्सानदेह हैं। लगातार ऊंची एड़ी के सैंडिल पहनने से नसों में खिंचाव आ जाता है, साथ ही मांसपेशियों की शक्ति क्षीण होने लगती है। पिंडलियों में दर्द की शिकायत व नसों में सूजन आदि आने की संभावना भी बढ़ जाती है। पैरों में दर्द तो एक आम शिकायत है, ही, साथ ही ऊंची एड़ी के सैंडिल आरामदेह भी नहीं होते। इन्हें पहन कर आप सामान्य रूप से नहीं चल पातीं और तेज चलना व भागना तो दूर की बात है।

ऊंची एड़ी के सैंडिल पहन कर जल्द ही थकान हो जाती है और पैरों में दर्द हो जाता है। गर्भवती महिलाओं को इनको बिल्कुल नहीं पहनना चाहिए क्योंकि इनसे संतुलन बना पाना थोड़ा मुश्किल होता है और उल्टा-सीधा पैर पड़ने से कुछ भी गलत हो सकता है। इसलिए इन्हें कम से कम पहनना चाहिए।

एंटी ऑक्सीडैंट हृदय के लिए अच्छे

हृदय रोगियों के लिए एंटी ऑक्सीडैंट की अधिक मात्रा बहुत आवश्यक है। एक शोध में 38 हृदय रोगियों में एंटी ऑक्सीडैंट विटामिन 'ए', 'ई' और बीटा कैरोटिन की मात्रा कम पाई गई।

विशेषज्ञों का कहना है कि विटामिन 'ए', 'ई'स 'सी' बीटा कैरोटिन की मात्रा हृदय रोगों की संभावना को कम करती है। इनके अनुसार ये एंटी ऑक्सीडैंट रक्त वाहिनियों को नुक्सान पहुंचाने वाले हानिकारक तत्वों को खत्म करते हैं।

न प्रयोग करें वजन घटाने की दवाइयां

आजकल हर महिला दुबला दिखना चाहती है और दुबला होने के चक्कर में वह अपने स्वास्थ्य को भी दांव पर लगा देती है। डायटिंग तो एक आम बात है। वह इससे भी अधिक हानिकारक तरीके आजमाने में लगी है जैसे दुबला होने के लिए जी मिचलाने वाली, दस्तावर व वजन घटाने वाली गोलियों का सेवन जिसके परिणाम घातक भी हो सकते हैं।

वजन घटाने की सोलियां या इसके लिए दस्तावर सामग्री का उपयोग करना खतरनाक है। जवन नियंत्रण आवश्यक है पर उसके लिए अपने स्वास्थ्य को दांव पर रखना बिल्कुल गलत है। वजन नियंत्रण के लिए आवश्यक है वसा की कम मात्रा का सेवन व शारीरिक श्रम, इसलिए नियमित व्यायाम करें व अधिक वसा ग्रहण न करें।